कोटद्वार, बुधवार
25 जून 2025
वर्ष: 47
अंक: 59 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक: स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

पिछड़े जनजातीय परिवारों को मिले बिजली के कनेक्शन

देहरादून। उत्तराखंड के पिछड़े जनजातीय परिवारों को शत प्रतिशत बिजली के कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। प्रधानमंत्री जनमन योजना में राज्य के 669 बुक्सा और राजी जनजाति परिवारों को इस योजना का लाभ देते हुए बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराए गए। एमडी यूपीसीएल अनिल कुमार ने बताया कि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत यूपीसीएल ने राज्य के अत्यंत पिछड़े एवं जनजातीय समुदायों के चिन्हित परिवारों तक विद्युत सुविधा सुनिश्चित करा दी है। इस योजना में उत्तराखंड के बुक्सा और राजी जनजातियों के कुल चिन्हित 669 घरों को ग्रिड से जोड़ते हुए विद्युतीकरण का काम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्णायक नेतृत्व के कारण ये संभव हो पाया। देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल और उधमसिंहनगर जिलों में रहने वाले इन आदिवासी समुदायों तक इस योजना का लाभ पहुंचाया गया है। कई स्थानों पर बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराना भौगोलिक लिहाज से बेहद चुनौतीपूर्ण था। इसके बावजूद न सिर्फ समय पर कनेक्शन उपलब्ध कराए गए, बल्कि बिजली सप्लाई को ढांचागत सुविधाएं मजबूत की गई। ट्रांसफार्मर, बिजली लाइन, बिजली पोल, मीटर लगाए गए। इस उपलब्धि के साथ उत्तराखंड उन चंद राज्यों में शामिल हो गया है, जिन्होंने प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत अपने राज्य के सभी चिन्हित घरों का विद्युतीकरण पूरा कर लिया है। हर नागरिक को मूलभूत सुविधाओं का लाभ सुनिश्चित कराने के सरकार के संकल्प को पूरा किया गया है। – अनिल कुमार, एमडी यूपीसीएल

पर्वतीय जिलों में बारिश का अलर्ट जारी

हल्द्वानी। हल्द्वानी में मंगलवार को सुबह से बादल छाए रहे। एक ओर जहां दोपहर बाद हल्की धूप खिली वहीं किसी–किसी क्षेत्र में रुक–रुक कर बारिश हुई। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में नैनीताल, बागेश्वर, अल्मोड़ा, चम्पावत, पिथौरागढ़ आदि पर्वतीय जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। आकाशीय बिजली चमकने के साथ–साथ बारिश में तीव्र और झोंकेदार हवाएं चलने की संभावना जताई है। पंतनगर विवि के मौसम विशेषज्ञ डॉ आरके सिंह ने बताया कि अधिकतम तापमान 34 और न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार प्रदेश में कहीं मध्यम तो कहीं भारी बारिश का दौर अब जारी रहेगा।

चकराता में बारिश के बाद छाया घना कोहरा

विकासनगर, सोमवार देर रात से चकराता में शुरू हुई बारिश का सिलसिला मंगलवार दोपहर तक जारी रहा। बारिश के चलते स्थानीय लोगों के साथ ही पर्यटकों को भी परेशानी हुई। तापमान गिरने से मौसम भी सुहावना हो गया। बारिश के कारण चकराता का अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 20 डिग्री दर्ज किया गया। सोमवार पूरा दिन चकराता में बादल और कोहरा छाया रहा। दिन में कुछ देर धूप निकली, लेकिन थोड़ी देर बाद दोबारा कोहरा घिर आया। सोमवार देर शाम से हल्की बूंदाबांदी होती रही व आधी रात बाद बारिश शुरू हो गई जो लगातार मंगलवार दोपहर बाद तक जारी रही। सुबह से ही बारिश होने के कारण चकराता आए पर्यटक सुबह घूमने नहीं जा पाए। दोपहर में बारिश थमने के बाद उन्होंने पर्यटन स्थलों का रुख किया। वहीं सुबह बारिश के कारण बाजार में भी व्यापार मंदा रहा।

दिल्ली में लड़की के अपहरण की खबर से मचा हड़कंप

नई दिल्ली,दिल्ली के मौजपुर इलाके में सोमवार तड़के एक लड़की के कथित अपहरण की सूचना दिल्ली पुलिस को मिली. उत्तर पूर्वी जिला के डीसीपी आशीष मिश्रा नें बताया कि घटना की सूचना सुबह करीब 2 बजकर 50 मिनट पर थाना भजनपुरा को मिली. कॉलर ने बताया कि जब वह अपनी महिला मित्र को विजय पार्क मौजपुर छोड़ने गया, उसी दौरान अचानक एक कार में सवार 4 से 5 अज्ञात युवक वहां पहुंचे और लड़की को जबरन उठाकर फरार हो गए. डीसीपी आशीष मिश्रा नें बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए न केवल भजनपुरा थाने बल्कि आसपास के सभी थानों और जिलों को तुरंत अलर्ट कर दिया गया.

मुख्यमंत्री धामी ने मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में राज्य से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को वाराणसी में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक में प्रतिभाग किया। बैठक में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं मंत्रीगण उपस्थित थे।मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं से लगा उत्तराखण्ड राज्य सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके दृष्टिगत राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, संचार, सुरक्षा एवं रसद आपूर्ति की समुचित सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने केन्द्रीय गृह मंत्री से आग्रह किया कि सीमा सड़क संगठन के माध्यम से उत्तराखण्ड को और अधिक सहायता प्रदान की जाए। वाईब्रेंट विलेज कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य के सीमावर्ती गाँवों में सुविधाओं का विकास किया जाए जिससे वहां हो रहे पलायन को रोकने में सहायता मिल सके। उन्होंने सीमांत क्षेत्रों में संचार सुविधाओं के विकास के लिए भारत नेट योजना, 4–जी विस्तार परियोजना तथा उपग्रह आधारित संचार सेवाएं प्रारंभ करने का भी अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने बैठक में उत्तराखंड राज्य के हित में केंद्र सरकार से कुछ नीतिगत प्रावधानों में शिथिलता प्रदान करने का भी आग्रह किया। उन्होंने राज्य में प्रधानमंत्री आवास योजना के केंद्रीय अनुदान का आवंटन एकमुश्त किये जाने, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के कुशल संचालन हेतु अतिरिक्त सहयोग प्रदान करने, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के अध्ययन के लिए राज्य में एक उच्चस्तरीय ग्लेशियर अध्ययन केंद्र की स्थापना किये जाने और जैव विविधता संरक्षण संस्था की स्थापना के लिए भी केंद्र से तकनीकी सहयोग की मांग की। मुख्यमंत्री ने राज्य में साहसिक पर्यटन की संभावनाओं को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय साहसिक खेल प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना के लिए सहयोग मांगा। उन्होंने उत्तराखण्ड में वर्ष 2026 में नंदा राजजात यात्रा और 2027 में कुम्भ मेले के सफल एवं भव्य आयोजन हेतु केंद्र सरकार से आवश्यक सहयोग प्रदान करने का भी आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 80 प्रतिशत पर्वतीय भू–भाग वाले उत्तराखण्ड राज्य का 71 प्रतिशत क्षेत्र वनों से आच्छादित है।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के नामांकन पर रोक, चुनाव की अधिसूचना स्थगित

देहरादून। राज्य निर्वाचन आयोग ने अदालत के फैसले के बाद त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के नामांकन की प्रक्रिया रोक दी है। बुधवार से नामांकन की प्रक्रिया शुरू होनी थी। अधिसूचना में राज्य निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार ने कहा कि 21 जून को राज्य के 12 जिलों (हरिद्वार को छोड़कर) के सभी ग्राम पंचायतों के सदस्यों, ग्राम पंचायतों के प्रधान, क्षेत्र पंचायतों, जिला पंचायत के सदस्यों के निर्वाचन को अधिसूचित किया गया था। इसके तहत 25 से 28 जून तक नामांकन व अग्रिम कार्यक्रम निर्धारित किए गए थे।

चूंकि उच्च न्यायालय उत्तराखंड, नैनीताल के आदेश से राज्य सरकार के आरक्षण संबंधी पूरी कार्यवाही अग्रिम आदेश तक स्थगित की गई है। इस कारण पदों, स्थानों के आरक्षण एवं आवंटन की स्थिति स्पष्ट नहीं है। इन परिस्थितियों में नामांकन की कार्यवाही और आगे कार्यवाहियां किया जाना संभव नहीं है। उच्च न्यायालय उत्तराखंड नैनीताल के अनुपालन में आयोग द्वारा नामांकन व चुनाव से संबंधित अन्य कार्यवाहियां अग्रिम आदेशों तक स्थगित की जाती हैं।

24 घंटे से अधिक समय से रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, परिजनों ने लगाई गुहार

यमुनोत्री धाम के पैदल रूट पर सोमवार को हुए भूस्खलन हादसे के बाद से पुलिस–प्रशासन की ओर से एहतियातन यात्रा पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। यात्रा रूट पर बड़कोट और आस–पास के क्षेत्रों में जगह–जगह तीर्थ यात्री फंसे हुए है। इसी के बीच प्रशासन की ओर से यात्रा को दोबारा शुरू करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। प्रशासन की ओर से वैकल्पिक रूट भी तैयार किया जा रहा है ताकि यात्रा दोबारा जल्द से जल्द शुरूहो सके।

उत्तरकाशी। यमुनोत्री पैदल मार्ग पर नौ कैंची बैंड के समीप हुए भूस्खलन हादसे के बाद से लापता लोगों की तलाश में घटनास्थल पर रेस्क्यू पिछले 24 घंटे से भी अधिक समय से जारी है। मंगलवार सुबह जानकीचट्टी में लापता श्रद्धालुओं के परिजन यमुनोत्री विधायक संजय डोभाल से मिले और घटनास्थल पर जाने की गुहार लगाई। पुलिस–प्रशासन की ओर से रोके गए परिजनों को विधायक के हस्तक्षेप के बाद घटनास्थल तक जाने दिया गया। विधायक डोभाल ने परिजनों को ढांढस बंधाया और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि शासन–प्रशासन पूरी गंभीरता से रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटा है। सोमवार शाम को चार बजे हादसा होने के बाद रेस्क्यू अभियान में तेजी लाई गई थी, जो कि रात दस बजे तक जारी रहा। इसके बाद फिर मंगलवार सुबह छह बजे रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हुआ। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस की टीमें घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्यों में लगातार जुटी हैं। इस बीच सुबह डीएम प्रशांत कुमार भी मौके पर पहुंचे और राहत कार्यों की निगरानी की। उन्होंने राहत कार्यों में हाथ बंटाया। रेस्क्यू टीमें पिछले 24 घंटे से अधिक समय से मौके पर लापता की खोज में मलबा हटाने में लगी रही। इस बीच सुबह यमुनोत्री विधायक संजय डोभाल, एसपी सरिता डोबाल और सीओ जनक पंवार सहित कई अधिकारी मौके पर रेस्क्यू कार्य की निगरानी को पहुंचे। सोमवार को यमुनोत्री पैदल मार्ग पर नौकैंची के पास भूस्खलन से कई श्रद्धालु मलबे में दब गए थे। अब तक दो शव बरामद किए जा चुके हैं, जिनमें एक 12 वर्षीय किशोरी शामिल है। एक घायल को उपचार के लिए भेजा गया। दो अभी लापता बताए जा रहे हैं। डीएम प्रशांत कुमार ने बताया कि मार्ग पर रेस्क्यू रात तक पूरा हो सकता है। इस स्थिति में फिलहाल यमुनोत्री की यात्रा को रोका गया है। मंगलवार को किसी भी यात्री को पैदल मार्ग पर नहीं जाने दिया गया। जानकीचट्टी समेत कई सुरक्षित स्थानों को यात्रियों को ठहराया गया है।

अगले महीने से महंगा हो सकता है ट्रेन का सफर

पुणे। रेलवे मंत्रालय 1 जुलाई 2025 से मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में एसी और नॉन–एसी क्लास का किराया बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। अधिकारियों के अनुसार, नॉन–एसी (स्लीपर, सेकंड सीटिंग आदि) श्रेणियों में 1 पैसा और सभी एसी क्लास में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की दर से किराया बढ़ाया जा सकता है। मामले में एक रेलवे अधिकारी ने कहा, 2020 और 2013 में हुई पिछली किराया बढ़ोतरी की तुलना में यह वृद्धि सबसे कम होगी। जबकि स्लीपर क्लास की यात्राओं में मामूली इजाफा होगा।

क्या बढ़ेगा किराया?

मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में नॉन–एसी श्रेणी का किराया 1 पैसा प्रति किलोमीटर बढ़ाया जाएगा। सभी एसी क्लास (अउ प्रथम, द्वितीय, तृतीय) के किराए में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी।

सामान्य द्वितीय श्रेणी का किराया

500 किलोमीटर तक कोई बढ़ोतरी नहीं होगी। 500 किलोमीटर से ज्यादा दूरी पर आधा पैसा प्रति किलोमीटर तक बढ़ाया जा सकता है। वहीं सबअर्बन ट्रेनों की, मासिक पास और रोजाना यात्रा करने वालों की सुविधा को देखते हुए इनका किराया नहीं बढ़ेगा।

2020 और 2013 की तुलना में इस बार सबसे कम किराया बढ़ा

रेलवे के एक अधिकारी ने कहा कि 2020 और 2013 में पिछले किराया संशोधन की तुलना में मौजूदा बढ़ोतरी सबसे कम होगी। इससे पहले 1 जनवरी 2020 को प्रति किमी के आधार पर ट्रेन का किराया बढ़ाया गया था। तब साधारण और मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए द्वितीय श्रेणी का किराया क्रमशः 1 पैसे और 2 पैसे बढ़ाया गया था, जबकि स्लीपर क्लास और सभी एसी श्रेणियों का किराया क्रमशः 2 पैसे और 4 पैसे बढ़ा था।

2020 से पहले, 2013 में सभी वर्गों के किराये में काफी संशोधन किया गया था। उदाहरण के लिए, तब साधारण ट्रेनों के लिए द्वितीय श्रेणी का किराया 2 पैसे बढ़ा था, वहीं एक्सप्रेस/मेल ट्रेनों के लिए द्वितीय श्रेणी का किराया 4 पैसे बढ़ा था। इसके अलावा, स्लीपर क्लास का किराया 6 पैसे बढ़ाया गया था। 2013 में एसी–2 को छोड़कर सभी श्रेणियों के किराये में 10 पैसे की बढ़ोतरी की गई थी, जबकि एसी–2 का किराया 6 पैसे प्रति किमी बढ़ाया गया था।

किराए में बढ़ोतरी पर रेलवे ने क्या कहा?

रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसे लेकर बताया, '2020 और 2013 में हुई पिछली किराया बढ़ोतरी की तुलना में यह बढ़ोतरी सबसे कम होगी।' रेलवे अधिकारी के मुताबिक, यह मामूली बढ़ोतरी रेलवे की वित्तीय स्थिति सुधारने और बेहतर सेवाएं देने के उद्देश्य से की जा रही है।

पुरी के श्रद्धालुओं के लिए नया एप

पुरी में रथ यात्रा में शामिल होने की योजना बनाने वाले श्रद्धालुओं को वास्तविक समय, विश्वसनीय और सुलभ रेलवे सेवाएं उपलब्ध करने के लिए ईस्ट कोस्ट रेलवे (ईसीओआर) ने मंगलवार को 'ईसीओआर यात्रा' नाम से मोबाइल ऐप लॉन्च किया। गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध एंड्रॉइड आधारित ऐप त्योहार के दौरान रेल संबंधी सभी सेवाओं और यात्री सुविधाओं के लिए व्यापक डिजिटल गाइड प्रदान करता है।

ऐप को विशेष रूप से पूरी रथ यात्रा के दौरान यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं और रेल उपयोगकर्ताओं को व्यापक और वास्तविक समय की जानकारी देने के लिए डिजाइन किया गया है।

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट का आदेश, दुष्कर्म पीड़िता का बच्चा सरकार की जिम्मेदारी

जबलपुर,दुष्कर्म पीड़िता की गर्भावस्था 30 सप्ताह से अधिक होने के बाद भी पैरेंट्स बेटी का गर्भपात करवाना चाहते हैं. इस मामले को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने गंभीरता से लिया है. हाई कोर्ट ने गर्भपात के संबंध में अशिक्षित माता–पिता तथा पीड़िता की फिर से काउंसलिंग करने के आदेश जारी किए हैं. हाईकोर्ट जस्टिस विशाल मिश्रा ने अपने आदेश में कहा है महिला न्यायिक अधिकारी डॉक्टरों की टीम और सीडब्ल्यूसी के एक सदस्य के साथ माता–पिता को समझाएं.

मामले के अनुसार दुष्कर्म पीड़िता के गर्भपात की अनुमति के लिए माता–पिता के सहमति पत्र के साथ छिंदवाड़ा जिला न्यायालय के न्यायाधीश ने हाई कोर्ट को पत्र भेजा था. पत्र की सुनवाई याचिका के रूप में करते हुए हाई कोर्ट ने पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट प्रस्तुत करने निर्देश जारी किये थे. हाई कोर्ट में पेश की गई मेडिकल रिपोर्ट में कहा गया था गर्भावस्था 30 सप्ताह की है. वर्तमान स्थिति में भ्रूण के जीवित पैदा होने की अधिक संभावना है.

हैदराबाद में ड्रग्स तस्करी के इंटरनेशनल रैकेट का भंडाफोड़

नाइजीरियाई समेत दो गिरफ्तार

हैदराबाद,तेलंगाना एंटी–नारकोटिक्स ब्यूरो ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए हैदराबाद और गोवा में सक्रिय एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है. इसके तार विदेशों से जुड़े हैं. जांच एजेंसी ने रविवार को एक नाइजीरियाई नागरिक समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया. अधिकारियों ने पकड़े गए आरोपियों के पास से 30 लाख रुपये की कीमत की 107 ग्राम कोकीन और छह मोबाइल फोन जब्त किए. राजेंद्रनगर के डीसीपी चिंतामनेनी श्रीनिवास ने इस बारे में जानकारी दी. पुलिस के अनुसार नाइजीरियाई नागरिक मैक्स उर्फ प्रिंसवेल उर्फ गेब्रियल इस सिंडिकेट के पीछे का मास्टरमाइंड है. वह विदेशों से भारत में ड्रग्स लाने और उन्हें आजीविका के अवसरों की तलाश में देश में आने वाले नाइजीरियाई और अफ्रीकियों को सौंपने के लिए जाना जाता है. 2022 में मैक्स ने एक अन्य नाइजीरियाई, चुकुमेका विजडम ओनेका उर्फ मेजर कार्टेल (22) को छात्र वीजा पर भारत भेजा. ओनेका ने गोवा में ड्रग्स ऑपरेशन का आधार बनाया.

अगले साल विक्टर एक और नाइजीरियाई हैदराबाद में मादक पदार्थों की बढ़ती मांग के बारे में जानने के बाद भारत आया. उसे साइबराबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया और उसके पास से 303 ग्राम कोकीन जब्त की गई. उसके बाद उसका पासपोर्ट रद्द कर दिया गया. जेल से रिहा होने के बाद भी विक्टर ने शहर में ड्रग्स सप्लायर्स और उपयोगकर्ताओं के साथ संपर्क बनाए रखा.

भारत की बड़ी योजना: पानी के अंदर लगेगा स्मार्ट सेंसर

सुनामी और भूकंप का पता चलेगा

नई दिल्ली,सुनामी और भूकंप का पहले से पता लगाने के लिए भारत एक बड़ी योजना पर काम कर रहा है। इसके तहत एक स्मार्ट सेंसर बनाया जा रहा है, जो हिंद महासागर में 275 किलोमीटर लंबे केबल के साथ पानी के अंदर सुनामी और भूकंप पूर्व चेतावनी प्रणाली को विकसित करेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, यह प्रणाली कामयाब हुई तो भूकंपीय गतिविधि, पनडुब्बी भूस्खलन और गहरे समुद्र के खतरे का पता लगाने का तरीका बदल देगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, यह योजना अभी प्रस्ताव के लिए अनुरोध के चरण में है। इस पर हैदराबाद का भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (इनकॉइस) काम कर रहा है। इनकॉइस के निदेशक टीएम बालकृष्णन नायर कहते हैं कि अभी इस क्षेत्र की निगरानी सुनामी बुओ से होती है, लेकिन डाटा इनकॉइस में भारतीय सुनामी प्रारंभिक चेतावनी केंद्र को भेजा जाता है। नायर कहते हैं कि बुओ को बनाए रखना चुनौतीपूर्ण है, इसलिए यह प्रणाली अधिक विश्वसनीय होगी।

पानी के अंदर सेंसर युक्त संचार केबल को अंडमान द्वीप समूह से भूकंपीय रूप से सक्रिय अंडमान–निकोबार सब–डक्शन जोन तक हिंद महासागर में 2,500 मीटर की गहराई तक बिछाया जाएगा। केबल में बॉटम प्रेशर रिकॉर्डर, सीस्मोमीटर, टिल्ट मीटर और हाइड्रोफोन युक्त सेंसर का सेट होगा, जिससे भूकंपीय गतिविधि, समुद्र के नीचे भूस्खलन और अचानक दबाव में बदलाव की निगरानी होगी। अंडमान द्वीप में तटीय स्टेशन भी बनेगा और अलर्ट के लिए संचार केबल हैदराबाद में डेटा प्रोसेसिंग सेंटर से जुड़ेगा।

महाराष्ट्र में 5 महीने में 30,000 से अधिक लोग लापता

मुंबई,महाराष्ट्र में अचानक लापता होने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। पिछले 5 महीने में पूरे राज्य में 30,000 से अधिक लोग लापता हो गए हैं। पुलिस के आंकड़ों के हवाले से पता चला है कि लापता होने वालों में राज्य में मुंबई सबसे आगे है, जहां जनवरी से मई के बीच में 3,475 लोग गायब हुए हैं, जो कुल मामलों का 10 प्रतिशत से अधिक है। यह आंकड़े पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य में पिछले 5 महीने में 30,113 लोग, यानी रोजाना औसतन 200 लोग गायब हो रहे हैं। लापता लोगों के मामले में मुंबई के बाद दूसरे स्थान पर ठाणे हैं, जहां 5 महीन में 2,003 लोगों की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। यहां अक्सर लापता व्यक्तियों की संख्या ज्यादा होती है। इसके बाद अहिल्याबाई नगर है, जो आबादी में बेहद कम है।

दिल्ली–हरियाणा बॉर्डर पर मुठभेड़: काला राणा गिरोह का कुख्यात शूटर रोमिल वोहरा ढेर

नई दिल्ली,राजधानी दिल्ली के माड़ी इलाके में दिनांक 23/24 जून की मध्यरात्रि को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट और हरियाणा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के दौरान कुख्यात अपराधी रोमिल वोहरा के साथ जमकर मुठभेड़ हुई. दिल्ली पुलिस और हरियाणा पुलिस के द्वारा की गई ये संयुक्त कार्रवाई दिल्ली–हरियाणा सीमा के पास डेरा मंडी इलाके में उस वक्त की गई जब हरियाणा पुलिस से मिली सूचना के आधार पर स्पेशल सेल ने कुख्यात अपराधी पर चौकसी बढ़ाई थी. मिली जानकारी के अनुसार , 23 और 24 जून की दरम्यानी रात को दिल्ली पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि नामी काला राणा–नोनी राणा गैंग का सक्रिय शूटर रोमिल वोहरा दिल्ली में मौजूद है. मामले की गंभीरता को देखते हुए और गुप्त सूचना के आधार पर सुबह के शुरुआती घंटों में जब पुलिस ने संदिग्ध इलाकों में तलाशी अभियान चलाया, तो एक मुखबिर की मदद से रोमिल की पहचान हुई. जैसे ही दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलिजेंस टीम और हरियाणा पुलिस ने उसे पकड़ने की कोशिश की, कुख्यात अपराधी रोमिल ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी और भागने की कोशिश की. जवाबी कार्रवाई में पुलिस टीम ने आत्मरक्षा में गोली चलाई. अपराधी और पुलिस की इस मुठभेड़ में दो पुलिसकर्मी एसआई प्रवीण और एसआई रोहन और रोमिल घायल हो गए. तीनों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जिसके बाद रोमिल वोहरा की मौत हो गई. बता दें कि पिछले दो महीने में हरियाणा में लगातार हो रहे निर्मम हत्याकांडों में अपराधी रोमिल वोहरा वांछित चल रहा था. इसके द्वारा कुरुक्षेत्र में सनसनीखेज़ शान्तनु हत्याकांड तथा यमुनानगर में एक जघन्य तिहरे हत्याकांड को अंजाम दिया गया था. आपको बता दें कि अपराधी रोमिल वोहरा हरियाणा के यमुनानगर का रहने वाला है और काला राणा गिरोह का सक्रिय सदस्य है. वह कुरुक्षेत्र के चर्चित शांतनु हत्याकांड और यमुनानगर के ट्रिपल मर्डर केस में वांछित था. इसके अलावा, वह दिल्ली में शस्त्र अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में भी आरोपी है.

इंडिगो की एडवाइजरी ने यात्रियों को किया सतर्क

मध्य–पूर्व रूट पर अस्थिरता के चलते उड़ानों पर असर

नई दिल्ली,देश की बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने एक्स (ट्विटर) पर एक के बाद एक चार अपडेट जारी कर यात्रियों को मध्य–पूर्व रूट पर यात्रा से पहले सतर्क रहने की सलाह दी है. एयरलाइन ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा कारणों के चलते उड़ानों के मार्गों में बदलाव या संचालन में देरी हो सकती है. एक्स पर इन अपडेट्स को लेकर यात्रियों ने भी प्रतिक्रियाएं दी हैं, जिनमें भ्रम, असुविधा व सूचना की पारदर्शिता की कमी को लेकर चिंता जताई है. हालांकि इंडिगो ने सुबह पोस्ट डाला है कि जैसे–जैसे मध्य–पूर्व के हवाई अड्डे धीरे–धीरे फिर से खुल रहे हैं, हम सतर्कता व क्रमबद्धता के साथ इन रूटों पर संचालन दोबारा शुरू कर रहे हैं.

इंडिगो ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से सबसे पहले जो पोस्ट किया, उसमें यात्रियों से नियमित रूप से अपनी फ्लाइट स्टेटस जांचने को कहा गया. पोस्ट में लिखा गया कि हम आपको सलाह देते हैं कि आप नियमित रूप से अपनी फ्लाइट की स्थिति जांचते रहें. यदि आपकी उड़ान प्रभावित होती है, तो वैकल्पिक विकल्प हमारी वेबसाइट पर उपलब्ध हैं. इस पोस्ट ने यात्रियों के बीच चिंता की लहर दौड़ा दी क्योंकि यह बिना किसी विशेष कारण बताए यात्रियों को संभावित बदलावों के लिए तैयार रहने को कहा गया था. वैकल्पिक विकल्पों का सुझाव पहले पोस्ट के कुछ घंटे बाद इंडिगो ने दूसरा पोस्ट किया, जिसमें लिखा गया कि प्रभावित ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे हमारी वेबसाइट या ऐप पर जाकर अपनी उड़ान की स्थिति जांचें. ऑनलाइन उपलब्ध वैकल्पिक यात्रा विकल्पों का उपयोग करें. इस पोस्ट से साफ होता है कि कुछ उड़ानों पर असर पड़ सकता है और यात्रियों को खुद ही समाधान खोजना होगा.

तीसरे ट्वीट में इंडिगो की तरफ से कहा गया कि हम जैसे ही सुरक्षित हवाई मार्ग उपलब्ध होंगे, सेवाएं पुनः शुरू करेंगे. आपकी सहनशीलता व समझ के लिए धन्यवाद.यह ट्वीट संकेत देता है कि एयरलाइन फिलहाल स्थिति पर नजर बनाए हुए है. तब तक संचालन में सावधानी बरतेंगे जब तक मार्ग पूरी तरह से सुरक्षित न हो जाएं.

उदयपुर में फ्रांस की युवती से दुष्कर्म

उदयपुर,राजस्थान के उदयपुर में एक विदेशी युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है. मामला बड़गांव थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है. आरोपी ने वारदात से पहले कैफे में युवती के साथ पार्टी भी की. इसके बाद आरोपी टूरिस्ट को बहला–फुसलाकर अपने मकान पर ले गया और वारदात को अंजाम दिया. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. इस पूरे मामले को लेकर उदयपुर एसपी योगेश गोयल ने बताया कि बड़गांव थाने पर सूचना प्राप्त हुई थी. टाइगर हिल्स स्थित एक रेस्टोरेंट पर पार्टी हो रही थी, जिसमें कुछ फ्रेंच लोग भी शामिल थे. इनमें फ्रेंच महिलाएं भी थीं. एसपी ने बताया कि फ्रेंच महिलाओं के साथ उनके साथी भी थे, जो इवेंट के लिए काम करते हैं. मंगलवार देर रात्रि तक सभी ने खाना खाया और ड्रिंक भी की.

माता वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन के बाद आवाजाही प्रभावित

बैटरी कार सेवा स्थगित

रियासी,जम्मू–कश्मीर के रियासी जिले में माता वैष्णो देवी मंदिर के लिए बनाया गया नया हिमकोटि मार्ग सोमवार को तेज बारिश की वजह से भूस्खलन की चपेट में आ गया। इसका असर मंगलवार को भी दिखा। रास्ते में मिट्टी और पत्थरों से श्रद्धालुओं को आने–जाने में समस्या हुई। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है, लेकिन बैटरी कार की सेवा स्थगित कर दी गई है। श्राइन बोर्ड के कर्मचारी पुलिस और प्रशासन की मदद से मार्ग को सुचारू कर रहे हैं। नए मार्ग पर विपदा आने के बाद तीर्थ यात्रियों को पुराने मार्ग पर भेज दिया गया है। यहां से मंदिर तक के लिए यात्रा जारी है। नए हिमकोटि मार्ग पर सत्या व्यू प्वाइंट के निकट मार्ग पर भूस्खलन तब हुआ, जब क्षेत्र में तीर्थयात्रियों की आवाजाही नहीं थी। इससे बड़ा हादसा टल गया। भूस्खलन का मलबा 30 फीट से अधिक मार्ग पर फैला हुआ है। मार्ग की सफाई के बाद बैटरी कार सेवा को बहाल किया जाएगा। हिमकोटि मार्ग पर भूस्खलन का वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें श्रद्धालु कीचड़ और मलबे के बीच से निकलते नजर आ रहे हैं।

सम्पादकीय

उम्मीदवारों की उम्मीदें धूमिल

त्रि स्तरीय पंचायती चुनाव की देगची में जिस तेजी से उबाल आया था, उसी तीव्रता से अब वह ठंडा भी हो गया है। इसे राज्य सरकार की जल्दबाजी कहें या फिर पंचायत चुनावों को लेकर होमवर्क की कमी, फिलहाल उत्तराखंड में पंचायत चुनाव स्थगन करने की घोषणा चुनाव आयोग ने भी कर दी है। पहले चुनाव आयोग ने हाई कोर्ट के आदेश के बाद अपना पक्ष रखने की दलील दी थी लेकिन जब चुनावों से पूर्व ही आरक्षण के विषय पर गंभीरता से काम ही नहीं किया गया तो फिर यह सब तो होना ही था, जिसने राज्य सरकार की किरकिरी कर डाली है। विपक्ष ने तो अब यह भी कहना शुरू कर दिया है कि प्रदेश की सत्ताधारी पार्टी भाजपा पंचायत चुनाव करवाना ही नहीं चाहती थी और सरकार की लापरवाही के कारण प्रदेश में कल से शुरू होने वाली पंचायत चुनावों की प्रक्रिया को राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा उच्च न्यायालय के आदेश के बाद विराम लग गया है। पंचायत चुनाव को लेकर अदालती प्रक्रिया के बाद जब सरकार ने चुनाव करवाने की शुरुआत की तो उसमें एससी एसटी और ओबीसी आरक्षण का रोस्टर ही शून्य कर दिया जिसके कारण अदालती कारवाई की स्थिति बनी और अपनी ही गलतियों के कारण सरकार को चुनाव ही स्थगित करने पड़े। पंचायती चुनाव प्रक्रिया को लेकर जो कुछ भी प्रदेश के अंदर पिछले कुछ समय से चल रहा है उसे सही नहीं कहा जा सकता। कहीं ना कहीं ऐसा लगता है कि पंचायत चुनाव कराने को लेकर सरकार गंभीरता ही नहीं बरत रही थी, जबकि सैकड़ो उम्मीदवार पंचायत चुनावों के माध्यम से जनता के लिए अपनी राजनीतिक सेवा की शुरुआत करने के सपने संजोए बैठे थे। इन परिस्थितियों के लिए सरकारी मशीनरी के साथ नौकरशाही को भी कटघरे में खड़ा किया जाना चाहिए जिसके कारण चुनावी प्रक्रिया की छीछालेदारी हुई। विपक्ष ने सरकार के उसे कदम को भी सवालों में खड़ा किया है जिसमें पंचायत चुनाव न करवा कर जिला पंचायत अध्यक्षों ब्लॉक प्रमुखों व ग्राम प्रधानों को ही प्रशासक नियुक्त कर दिया और फिर दूसरी बार जब प्रशासकों का कार्यकाल खत्म हुआ तो पंचायतों को कई दिनों तक लावारिस छोड़ कर अधिकारियों को प्रशासक बनाया और अब जब उच्च न्यायालय के फैसले के बाद चुनाव करने का निर्णय लिया तो आरक्षण का रोस्टर ही शून्य करवा दिया जिससे पूरे प्रदेश में असंतोष और आक्रोश फैल गया जिसे कोर्ट में चुनौती दी गई। अब प्रश्न यह उठता है कि आखिर पंचायत चुनाव की नियमावली कहां है और उसके प्रकाशन क्यों नहीं हुआ? आरक्षण की स्थिति स्पष्ट न होने और ऐसे ही अन्य गोल–मोल जवानों के कारण न्यायालय ने चुनाव पर रोक लगा दी। स्पष्ट है कि यदि नोटिफिकेशन जारी करने से पूर्व समय पर विसंगतियों को दूर किया जाता तो आज ना तो सरकार की किरकिरी होती और ना ही पंचायत स्तर पर तैयारी कर रहे सैकड़ो उम्मीदवारों की उम्मीदें धूमिल होती।

संचार माध्यमों के राजनीतिक इस्तेमाल

अनिल चमड़िया

मीडिया के करोबार का विश्लेषण करने वाले एक बेहद उलझे हुए प्रश्न से जूझ रहे हैं। एक तरफ तो यह दावा किया जाता है कि पढ़ने और खासतौर से समाचार पत्र और पत्रिका की संस्कृति खत्म हो रही है, लेकिन दूसरी तरफ भारत सरकार ने 2024–2025 में पत्र–पत्रिकाओं की संख्या और उनकी प्रसार संख्या में बढ़ोतरी का दावा किया है।

एक प्रश्न तो यहां एक दूसरे के विरोध में खड़े दावों का है। दूसरा; सरकार के समाचार पत्र–पत्रिकाओं, टीवी और दूसरे माध्यमों के विस्तार होने का दावा क्या इस दावे की पुष्टि करता है कि देश में लोकतंत्र की जड़े मजबूत हुई है? क्योंकि मीडिया की आजादी की स्थिति पर नजर रखने वाले वैश्विक संगठनों का दावा है कि भारत में मीडिया के आजाद होने की स्थिति में लगातार गिरावट आई है। तब क्या इसका मतलब यह लगाया जा सकता है कि लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार के विकास और विस्तार का मापक संचार माध्यमों की संख्या का बढ़ना तो हो सकता है, लेकिन उसका अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के उपयोग की स्वतंत्रता का विस्तार के दावे से कोई संबंध नहीं है। तब इसका अर्थ यह भी निकाला जा सकता है कि लोकतंत्र में नागरिकों के अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का संविधान में उल्लेख तो हो सकता है, लेकिन उस अधिकार का इस्तेमाल मीडिया कंपनियां अपने हितों में करती है।

पूरी दुनिया की तरह भारत में भी प्रिंट की तकनीक पर आधारित संचार माध्यमों ने जन जीवन को गहरे स्तर पर प्रभावित किया है। इतिहास में यह विश्लेषण मिलता है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से राजनीतिक सत्ताएं इसे नये तरह के हथियार के रूप में इस्तेमाल करने लगी। भारत में भी संचार माध्यमों के राजनीतिक इस्तेमाल की प्रवृत्ति के बढ़ने को लेकर स्वतंत्रता के बाद से ही चिंता जाहिर की जा रही है। संचार माध्यमों खासतौर से

एक प्रश्न तो यहां एक दूसरे के विरोध में खड़े दावों का है। दूसरा; सरकार के समाचार पत्र–पत्रिकाओं, टीवी और दूसरे माध्यमों के विस्तार होने का दावा क्या इस दावे की पुष्टि करता है कि देश में लोकतंत्र की जड़े मजबूत हुई है? क्योंकि मीडिया की आजादी की स्थिति पर नजर रखने वाले वैश्विक संगठनों का दावा है कि भारत में मीडिया के आजाद होने की स्थिति में लगातार गिरावट आई है। तब क्या इसका मतलब यह लगाया जा सकता है कि लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार के विकास और विस्तार का मापक संचार माध्यमों की संख्या का बढ़ना तो हो सकता है, लेकिन उसका अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के उपयोग की स्वतंत्रता का विस्तार के दावे से कोई संबंध नहीं है।

समाचार माध्यमों की राजनीतिक सत्ता के पक्षधर होने की आलोचना होती है।

आपातकाल के बाद से यह आलोचना ज्यादा मुखर हुई है। आंकड़े संख्या की भाषा में प्रस्तुत होते हैं, लेकिन उनका विश्लेषण आंकड़ों के भीतर राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक हालात के कड़वे विवरणों को सतह पर ला देता है। आंकड़ों के रूप में संचार माध्यमों के विस्तार पर नजर डालें तो यह तथ्य काबिले गौर है कि 1857 में तब के भारत में 475 अखबार निकलते थे और उनमें से अधिकांश प्रांतीय भाषाओं में निकलते थे। इन समाचार पत्रों की प्रसार संख्या भी आबादी की तुलना में बेहद कम होती थी। 2025 की तुलना में इस समय छपी सामग्री को पढ़ने की क्षमता अपेक्षाकृत बेहद कम थी, लेकिन स्वतंत्रता के आंदोलन से नागरिकों में अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार के प्रति चेतना इतनी गहरी थी कि अपने अधिकार के इस्तेमाल के लिए संचार माध्यमों पर निर्भरता ज्यादा नहीं बढ़ी। यही वजह हो सकती है 1957 तक रोजाना छपने वाले समाचार पत्रों की तादाद महज 446 थी। भारत सरकार के आंकड़े बताते हैं कि चुनावी वषी के आसपास रोजाना के समाचारपत्रों की संख्या तुलनात्मक रूप से ज्यादा हो जाती है। चुनाव के बाद के वषी में संख्या में विस्तार की गति कमजोर हो जाती है।

मसलन 1984, 1985 और 1986 में प्रकाशित समाचार पत्रों की संख्या का विश्लेषण किया जा सकता है। इसी तरह 1989 और 1999 में भी समाचार पत्रों की संख्या की गति तेज होने का उदाहरण मिलता है। बाद के चुनाव के इर्द–गिर्द के वषी पर नजर डालने के बाद 2014 से पूर्व समाचार पत्रों की संख्या पर नजर डालें तो इसके स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि चुनाव के मद्देनजर समाचार पत्रों की उपयोगिता की गति पहले के मुकाबले ज्यादा बढ़ी। 2012–13 में 12109 रोजाना के समाचार पत्र थे और उसके के बाद 2013–2014 में समाचार पत्रों की संख्या 13350 यानी एक हजार से ज्यादा नये पत्र निकले। 2012–2013 में समाचार पत्रों की संख्या का विकास दर 8.43 प्रतिशत है। यह प्रवृत्ति 2024 तक देखी जा सकती है। 2019–2020 के आंकड़े बताते हैं कि अकेले इस वर्ष समाचार पत्रों की संख्या का विकास दर 19.52 प्रतिशत है। देश में राजनीतिक सत्ता आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सतहों पर आकार लेती है। जाति और घर्म तो राजनीतिक सत्ता के आधार में होते ही हैं, लेकिन जाति और धर्म का भी एक भाषाई आधार देखने को मिलता है। हिन्दी में सबसे ज्यादा 60107 प्रकाशन होने की जानकारी मिलती है। इसके बाद अंग्रेजी में 20175 प्रकाशन हुए मगर इनकी तुलना में कश्मीरी और डोगरी में सबसे कम संख्या देखने को मिलती है।

उर्दू में प्रकाशन की संख्या 7027 है। भाषा के आधार पर समाचार पत्रों पत्रिकाओं के विस्तार का विश्लेषण करें तो इनकी छवि राजनीतिक प्रचारक के रूप में दिखती है। संचार माध्यमों के विस्तार का आधार क्या शैक्षणिक, नागरिकों की आर्थिक स्थितियां, आबादी आदि होती है। आंकड़े इस तरह के तकरे व कसौटी को स्वीकार नहीं करते हैं। उत्तर प्रदेश आबादी में सबसे बड़ा है और वहां सर्वाधिक 22741 प्रकाशन है और दूसरे नंबर वाले महाराष्ट्र में 21522 प्रकाशन है, लेकिन आबादी में बड़ा तीसरा राज्य बिहार में महज 2219 है। मध्य प्रदेश आबादी में पांचवे नंबर पर है, लेकिन सर्वाधिक प्रकाशन वाले राज्यों में तीसरे नंबर पर है। पश्चिम बंगाल आबादी में चौथे नंबर पर है लेकिन वहां आबादी में छठवें नंबर वाले तमिलनाडु के कुल 7596 की तुलना में 9209 प्रकाशन हैं। आबादी में 19वें नंबर वाली दिल्ली देश की एकलौती राजधानी है इसीलिए वह तुलना के गणित से बाहर है।

भाषा की तरह से राज्यों में प्रकाशनों की संख्या की गति आर्थिक नीतियों और उससे जुड़ी राजनीति पर निर्भर करती है। यहां आर्थिक नीतियों को लोगों के आर्थिक हालात के रूप में नहीं पढ़े। प्रकाशनों की प्रसार संख्या के आंकड़े एक अलग कहानी का बयां करते हैं। 2010–11 में 32 करोड़ से ज्यादा प्रसार संख्या है। इनमें रोजाना के पत्रों की प्रसार संख्या साढ़े 17 करोड़ से ज्यादा है। रोजाना छपने वाले समाचार पत्रों की प्रसार संख्या 2023–24 में 21 करोड़ से ज्यादा पहुंच गई जबकि दूसरे संचार माध्यमों का भी तेज गति से विस्तार हुआ है। दूसरा की प्रसार संख्या को चुनावी वषी के आसपास भी देखा जा सकता है। क्या प्रसार संख्या सामान्य गति से बढ़ती व घटती है।

हिंसक होते प्रदर्शन

मणिपुर में इम्फाल जिले के क्वाकेथेल सिंगजामेई में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प हुई। तुलिहाल के उप–विभागीय कलेक्टर कार्यालय को जलाये जाने से सरकारी रिकॉर्ड नष्ट हुए और इमारत को भी नुकसान हुआ। मैतई संगठन अरम्बाई तेंगोल के नेता कानन सिंह समेत चार की गिरफ्तारी का बाद निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए रात भर मशाल जुलूस निकाला। महिला समूहों ने भी इस प्रदर्शन में भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों की आवाजाही में अवरोधक बनाए, सड़कों पर मिट्टी के ढेर लगा दिए और जगह=जगह टायरों को जलाया। हिंसक होते प्रदर्शन को रोकने के लिए इम्फाल पश्चिम व पूर्व, थौबल, बिष्णुपुर, काकचिंग जिलों में निषेधाज्ञा लागू कर इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई। मई 2023 से मैतई और कुकी के दरम्यान चलल रही जातीय हिंसा में ढाई सौ से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। राज्य विधानसभा के निलंबन के बाद से 13 फरवरी से राज्य में राष्ट्रपति शासन के अधीन है। स्थानीय जनता तत्काल सरकार के गठन की मांग कर रही है। सीबीआई विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में संलिप्तता के चलते गिरफ्तारियां भी कर रही है। केंद्र द्वारा जून 2023 में तीन सदस्यीय जांच आयोग का गठन किया था। उसी साल अगस्त में सबसे बड़ी अदालत ने राज्य की संवैधानिक मशीनरी के पूरी तरह ध्वस्त होने की बात भी की थी। बावजूद इसके केंद्र सरकार का रवैया मणिपुर को लेकर बेहद शर्मनाक है। बेघर हो रही स्थानीय जनता आस–पास के राज्यों में पलायन करे मजबूर है। रोजगार संकट बढ़ता ही जा रहा है। शिक्षा व्यवस्था चरमारा चुकी है। कुकी और मैतई संघर्ष नया नहीं है मगर उसे सुलझाने या शांत करने में केंद्र को जैसी महती भूमिका निभानी चाहिए। उसके प्रति वह उपेक्षा भाव अपनाए है। पूर्वोत्तर राज्यों का यह आरोप है कि उनको समुचित सम्मान नहीं दिया जाता और हमेशा उनके साथ पक्षपात भरा बर्ताव होता है। केंद्रीय गृहमंत्री के दौरे के बावजूद उम्मीद की जा रही थी कि प्रधानमंत्री वहां का दौरा करें मगर विपक्ष के लगातार कटाक्ष के बावजूद नरेन्द्र मोदी ने मणिपुर की अशांति पर कभी विचार तक नहीं प्रकट किए। प्रदेशवासियों की संवेदनाओं का ख्याल रखते हुए शांति बहाली के प्रति कड़े कदम उठाने चाहिए। देश की अखंडता के प्रति किसी भी तरह की लापरवाही गलत संदेश दे सकती है। जरूरी है, केंद्र को अपने रवैये में लचीलापन लाते हुए दूरदर्शितापूर्ण नजर आना होगा।

युद्धाक्रांत समय के साये में पूरी दुनिया

डॉ. एस.डी. वैष्णव

ईरान और इजरायल के बीच सीधे तौर पर युद्ध की शुरुआत हो चुकी है। दोनों ओर से एक–दूसरे पर बम बरसाए जा रहे हैं और हालात दिन–प्रतिदिन बदतर हो रहे हैं।चूंकि इजरायल के साथ अमेरिका भी है तो जाहिरैहै, ईरान के लिए मौजूदा वक्त काफी चुनौतीपूर्ण है। ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर अमेरिका और इजरायल लगातार ईरान को चेतावनी दे रहे थे। पिछले वर्ष तेहरान पर अपने बम वषर्क विमानों से हमला करके इजरायल ने वहां हड़कंप मचा दिया था। ऑपरेशन 'नेशन ऑफ लायंसइ के तहत एक बार फिर इजरायल ने ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल साइट्स पर बारूद बरसाकर अपने मंसूबे साफ कर दिए हैं। इस बार तेहरान पर हुए हमले में इजरायल ने ईरान के आर्मी चीफ जनरल मोहम्मद बाघेरी और ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड क्रॉप्स के कमांडर–इन–चीफ हुसैन सलामी के साथ परमाणु वैज्ञानिक डॉ. फ़ारेदून अब्बासी–दावानी और डॉ. तेहरांची के मारे जाने की पुष्टि की है। इजरायल हमेशा सुनियोजित और पूरी तैयारी के साथ हमले करता है, जिसमें मोसाद की अहम भूमिका रहती है, यह उसी का परिणाम है।ईरान पर किए गए हमले के बाद ईरान की जवाबी करवाई की आशंका के चलते इजरायल में इमरजेंसी घोषित की गई है। ईरान के लिए यह हमला निश्चित रूप से बड़ी क्षति है। और उसने इजरायल पर जवाबी कार्रवाई शुरू भी कर दी है। ईरान के साथ इराक ने भी अपना एयर स्पेस बंद कर दिया है। उधर इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल कैट्स ने कहा है कि हम ईरान के हर

ईरान पर किए गए हमले के बाद ईरान की जवाबी करवाई की आशंका के चलते इजरायल में इमरजेंसी घोषित की गई है। ईरान के लिए यह हमला निश्चित रूप से बड़ी क्षति है। और उसने इजरायल पर जवाबी कार्रवाई शुरू भी कर दी है। ईरान के साथ इराक ने भी अपना एयर स्पेस बंद कर दिया है।

हमले का मुंहतोड़ जवाब देंगे। इजरायल और ईरान के बीच लंबे समय से जो जुबानी जंग चल रही थी; वह अब बारूदी जंग में बदल गई है। ईरान के इतने महत्त्वपूर्ण लोगों का एक साथ हमले में मारा जाना ईरान के सुरक्षा और खुफिया तंत्र पर सवाल खड़े करता है। इजरायल के लिए निश्चित रूप से यह एक रणनीतिक जीत कही जाएगी। ईरानी सेना प्रमुख जनरल मोहम्मद बाघेरी को ईरानी रिवॉल्यूशनरी गाड्‌र्स (आईआरजीसी) के साथ रणनीतिक और परमाणु नीति निर्माण में केंद्रीय भूमिका निभाते देखा जाता रहा है। ईरान के इतने बड़े और महत्त्वपूर्ण पद पर बैठे अधिकारी के मारे जाने से मध्य–पूर्व में युद्ध की आग निश्चित रूप से और बढ़ेगी। हालांकि अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु संवर्धन संधि को लेकर अलग–अलग देश में बैठकें जारी थीं और यह बातचीत किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पा रही थी।अमेरिका इजरायल को ईरान के परमाणु साइट्स पर हमले न करने के लिए लगातार रोक रहा था। हमले के बाद अमेरिका ने कहा है कि इस हमले में उनका कोई हाथ नहीं है, लेकिन ईरान इस हमले को अमेरिका की ओर से उकसावे की रणनीति मानता है। आज जिस युद्धाक्रांत समय के साये में हम जी रहे हैं, वहां से सिर्फ भय और टकराहट की लपटें उठती नजर आती है। उधर रूस–यूक्रेन युद्ध का अंत होता दिख नहीं रहा है। गाजा पट्टी, लेबनान और सीरिया पर इजरायली बारूद लगातार बरस रहा है। मेरे जेहन में इजरायल का अरब देशों के साथ हुआ 6 दिन का संघर्ष जिसमें इजरायल की जीत हुई थी और इजरायल द्वारा अपने अपहृत नागरिकों को वापस लाने के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन थंडरबोल्टइ की याद ताजा है। इजरायल अपने विरोधियों के खिलाफ हर मोर्चे पर आक्रामक रुख अख्तियार करता रहा है। इस बार मध्य–पूर्व में यदि युद्ध विस्तारित हुआ, तो वैश्विक महाशक्तियां इस जंग में अपने कदम अवश्य रखेगी। आईडीएफ, मोसाद और अमेरिकी बैकअप इजरायल की ताकत है, इसलिए मध्य–पूर्व में इजरायल किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटेगा।बहरहाल, विचलित करने वाला यह समय हमें भीतर तक झकझोरता है। वैश्विक शांति के लिए महाशक्तियों को अपनी साम्राज्य विस्तार की नीतियों पर भी लगाम लगानी होंगी।

थलपति विजय की फिल्म जना नायकन से फर्स्ट लुक रिलीज

थलपति विजय के 51वें जन्मदिन पर उनकी अंतिम फिल्म 'जन नायगनः द फर्स्ट रोरझ् के निर्माताओं ने नए पोस्टर को रिलीज कर दिया है। इस दमदार प्रोमो में विजय पुलिस वर्दी में लाठी लिए दमदार एक्शन अंदाज में नजर आए।

प्रोमो वीडियो के साथ ही मेकर्स ने एक खास बर्थडे पोस्टर भी जारी किया, जिसमें विजय तलवार लिए गद्दी पर बैठे दिखे।फिल्म निर्माता वेंकट के. नारायण ने बताया, थलपति विजय की अंतिम फिल्म का हिस्सा बनना हमारे लिए गर्व की बात है। यह हमारे लिए भावनात्मक पल भी रहा। विजय सिर्फ सुपरस्टार नहीं, बल्कि एक ऐसी शख्सियत हैं, जिन्होंने अपनी विनम्रता और स्क्रीन प्रेजेंस से पीढ़ियों को प्रेरित किया।

उन्होंने 'फर्स्ट रोरझ् के बारे में बताया, यह प्रोमो फिल्म के जुनून, भव्यता और भावनाओं की झलक देता है। एच. विनोद की कहानी और अनिरुद्ध का संगीत इसे विजय के करियर के लायक बनाता है। यह फिल्म फैंस द्वारा फैंस के लिए बनाई गई है।'जन नायगनझ् का निर्देशन एच. विनोद ने किया है, जबकि संगीत अनिरुद्ध रविचंदर का है। फिल्म में थलपति विजय के साथ अभिनेत्री पूजा हेगड़े मुख्य भूमिका में हैं और ममिता बैजु, बॉबी देओल, प्रकाश राज, गौतम वासुदेव मेनन, प्रियामणि और नारायण जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं।

केवीएन प्रोडक्शन्स के बैनर तले बनी यह फिल्म अगले साल 9 जनवरी में पोंगल के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक रन बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाजों पर नजर

नईदिल्ली, भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट में भारत की दूसरी पारी में भी शानदार शतक (118) जड़ा। उन्होंने पहली पारी में भी शतक (134) जमाया था। उनके इस टेस्ट में 252 रन हो गए हैं। वह किसी टेस्ट की दोनों पारियों में दूसरे सर्वाधिक रन बनाने वाले दुनिया के दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज भी बन गए हैं।

आइए एक टेस्ट में सर्वाधिक रन बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाजों पर नजर डालते हैं।इस सूची में जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज एंडी फ्लावर पहले पायदान पर हैं। उन्होंने 2001 में दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के खिलाफ टेस्ट में (142 और 199) 341 रन बनाए थे। उन्होंने साल 2000 में भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ नागपुर टेस्ट में (55 और 232) 287 रन और दिल्ली टेस्ट में (183 और 70 रन) 253 रन बनाए थे। ऐसे में वह 3 बार एक टेस्ट में 250 से अधिक रन बनाने वाले एकमात्र बल्लेबाज हैं।इस सूची में दूसरे पायदान पर अब पंत पहुंच गए हैं। उन्होंने हेडिंग्ले टेस्ट की पहली पारी में 178 गेंदों का सामना करते हुए 12 चौके और 6 छक्कों की मदद से 134 रन बनाए थे। इसके बाद उन्होंने दूसरी पारी में 140 गेंदों में 15 चौके और 3 छक्कों की मदद से 118 रन बना दिए। उन्होंने इस टेस्ट में कुल 252 रन बनाए हैं। वह एक टेस्ट में 250 से अधिक रन बनाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर हैं।

इस सूची में दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज डेनिस लिंडसे तीसरे नंबर पर है। उन्होंने 1966 में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ जोहानसबर्ग टेस्ट में कुल 251 रन बनाए थे। उन्होंने पहली पारी में 101 गेंदों में 8 चौकों की मदद से 69 रन बनाए थे, जबकि दूसरी पारी में 227 गेंदों में 25 चौके और 5 छक्कों की मदद से 182 रन की पारी खेली थी। मैच प्रोटियाज टीम ने 233 रन से जीती थी।

अश्विन बाबू अभिनीत मेडिकल थ्रिलर वचिनवाडु गौतम का टीज़र आउट

अश्विन बाबू की आगामी मेडिकल थ्रिलर, वचिनवदु गौतम का टीज़र रिलीज़ हो गया है, जिसने काफ़ी चर्चा बटोरी है। इस फ़िल्म का निर्देशन ममीडाला एम.आर. कृष्णा ने किया है और अरुणश्री एंटरटेनमेंट के बैनर तले टी. गणपति रेड्डी ने इसका निर्माण किया है। टीज़र में मंचू मनोज की दमदार आवाज़ है, जो एक्शन से भरपूर सवारी के लिए माहौल तैयार करती है।

अपने आकर्षक दृश्यों और गहन कहानी के साथ, टीज़र ने फ़िल्म के लिए उम्मीदें बढ़ा दी हैं।टीजर में गौतम की भूमिका में अश्विन बाबू को शक्तिशाली और रहस्यमयी उपस्थिति के साथ दिखाया गया है। उनकी बॉडी लैंग्वेज और एक्शन टाइमिंग रोमांचकारी है, और भावनात्मक तीव्रता कहानी की गहराई को दर्शाती है। टीजर में एक्शन सीक्वेंस भी उल्लेखनीय हैं, जो कुछ नया और रोमांचक साझा करते हैं। निर्देशक ममीडाला एम.आर. कृष्णा एक नियमित एक्शन एंटरटेनर के बजाय स्क्रीन पर एक नई अवधारणा लेकर आ रहे हैं।टीजर में फिल्म के तकनीकी मानक स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं, जिसमें एम.एन. बाल रेड्डी की सिनेमैटोग्राफी और गौरा हरि का बैकग्राउंड म्यूजिक इसकी तीव्रता को और बढ़ा रहा है। फिल्म के प्रोडक्शन वैल्यू स्पष्ट रूप से उच्च हैं, जिसमें एक आकर्षक कहानी और रोमांचकारी एक्शन सीक्वेंस बनाने के लिए बहुत प्रयास किया गया है। संगीत सनसनी एसएस थमन और हिट निर्देशक शैलेश कोलानू ने टीजर लॉन्च किया, जिसे दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।फिल्म की कहानी और किरदार आशाजनक लग रहे हैं, और दर्शक बेसब्री से इसकी रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। अपनी अनूठी अवधारणा और उच्च उत्पादन मूल्यों के साथ, वचिनवदु गौतम एक दिलचस्प फिल्म बन रही है।

श्री माया एंटरटेनमेंट्स की कॉमेडी एंटरटेनर डॉन बॉस्को में मिरना मेनन मुख्य भूमिका में

उभरते हुए प्रोडक्शन हाउस श्री माया एंटरटेनमेंट्स एक मजेदार कॉमेडी एंटरटेनर डॉन बॉस्को लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म को निर्माता सैलेश रामा ने बनाया है। इस फिल्म में सफल निर्माता नागा वामसी के जीजा रुश्या मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म हाल ही में लॉन्च हुई है और इसकी शूटिंग तेजी से चल रही है।आज, निर्माताओं ने खूबसूरत मिरना मेनन को फिल्म में शामिल किया है, जिन्हें जेलर और ना सामी रंगा के लिए जाना जाता है। मुरली शर्मा प्रिंसिपल विश्वनाथ की मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, और मिरना मेनन लेक्चरर सुमति की भूमिका निभा रही हैं।

डेकट— क्रॉली ने तोड़ा दिया 76 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली। इंग्लैंड के ओपनर– जैक क्रॉली और बेन डकेट ने हेडिंग्ले में खेले जा पहले टेस्ट मैच में भारत के खिलाफ ऐतिहासिक साझेदारी की और रिकॉर्ड बना दिया। इन दोनों ने अपनी शानदार बल्लेबाजी से न सिर्फ भारत को परेशान किया बल्कि 76 साल पुराने रिकॉर्ड को भी ध्वस्त कर दिया। क्रॉली अर्धशतक बनाकर आउट हो गए, लेकिन डकेट ने शतक पूरा किया।

इंग्लैंड को जीत के लिए 371 रनों की टारगट मिला है। डकेट और क्रॉली ने पांचवें दिन की शुरुआत बिना किसी नुकसान के 21 रनों के साथ की। भारत को उम्मीद थी कि उसके गेंदबाज जल्दी विकेट निकाल लेंगे। इंग्लैंड का कुछ अलग ही प्लान था। डकेट और क्रॉली ने पैर जमाए और भारत को परेशान किया।

तोड़ दिया रिकॉर्ड

इन दोनों ने पहले अर्धशतकीय साझेदारी की और फिर उसे आसानी से शतकीय साझेदारी में बदला। दोनों यहीं नहीं रुके और 76 साल के रिकॉर्ड को तोड़कर ही माने। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 188 रनों की साझेदारी की जो इस मैदान पर चौथी पारी में किसी ओपनिंग जोड़ी द्वारा की गई सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले ये रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के वर्दन स्कॉट और बर्ट स्टुक्लिफ की जोड़ी के नाम था जिन्होंने चौथी पारी में पहले विकेट के लिए 112 रन बनाए थे।

अभी तक इस मैदान पर चौथी पारी में ओपनिंग जोड़ी ने तीन बार ही शतकीय साझेदारी की है। वेस्टइंडीज के गॉर्डन ग्रीनिज और डेसमेंड हैंस ने चौथी पारी में पहले विकेट के लिए 106 रन जोड़े थे।

एक नजर

पंचायत चुनावों को लेकर रायशुमारी शुरु

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः पंचायत चुनावों को लेकर भाजपा ने रायशुमारी की। पहले दिन पौड़ी विधानसभा के तहत आने वाली जिला पंचायत सदस्यों की 6 सीटों को लेकर पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में रायशुमारी की गई। बताया गया कि रायशुमारी के बाद हर सीट से तीन नामों का पैनल प्रदेश को भेजा जाएगा। पौड़ी विधानसभा के तहत आने वाली जिन 6 सीटों के लिए रायशुमारी हुई उनमें जिला पंचायत की पौड़ी, डोभ श्रीकोट, ल्वाली, कठूड, धौलकड़ी, थैर और गढ़कोट सीटें शामिल है। पौड़ी में रायशुमारी के लिए पार्टी की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षक पूर्व जिलाध्यक्ष वीरंद्र सिंह रावत और प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मोर्चा डॉ. सुधीर जोशी पहुंचे।जिला पंचायत की कठुड, डोभ श्रीकोट सीट से 2-2, जबकि धौलकंडी, गड़कोट, थैर और ल्वाली सीट से 3-3 प्रत्याशी रायशुमारी के लिए पहुंचे। पर्यवेक्षक वीरेंद्र सिंह रावत ने हिन्दुस्तान से बातचीत में बताया कि सीट पर दावेदारी करने वाले हर प्रत्याशी से विस्तार से राय ली गई और पार्टी कार्यकर्ताओं व पदाधकारियों से दावा करने वाले प्रत्याशियों के विषय से जानकारी जुटाई गई है। पार्टी जिलाध्यक्ष कमल किशोर रावत ने बताया कि रायशुमारी के बाद हर जिला पंचायत सदस्य सीट के लिए तीन नामों की सूची प्रदेश को भेजी जाएगी। प्रदेश से एक नाम फाइनल होगा। वहीं पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भी याद किया। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक एवं पूर्व जिला अध्यक्ष सुषमा रावत,जिला प्रभारी एवं दायित्वधारी ऋषि कंडवाल आदि भी मौजूद रहे।

लम्बगांव में गुलदार ने बच्चे को घायल किया

नई टिहरी। विकासखंड प्रतापनगर की पट्टी भदूरा के ग्राम ओनालगांव निवासी धनवीर सिंह राणा के 4 वर्षीय पुत्र गणेश पर पहले से घात लगाए गुलदार ने घर के आंगन में ही हमला कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। पूर्व प्रधान ओनालगांव दलवीर सिंह राणा ने बताया की बीते सोमवार की देर रात्रि को गणेश अपनी मां के साथ कमरे से बाहर आंगन की ओर आ रहा था। इतने में ही पहले से घात लगाए गुलदार ने गणेश पर हमला कर दिया। गनीमत रही कि पीछे खड़ी मां और दादी ने बड़ी अनहोनी होने से बचा लिया। परन्तु इस बीच गणेश बुरी तरह घायल हो गया। जिसके बाद दलबीर सिंह राणा ने अपने निजी वाहन में गणेश को सीएचसी चौण्ड लंबगांव पहुंचाया। जहां पर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर बच्चे को हायर सेंटर जिला अस्पताल रैफर किया। जिसके बाद डॉक्टरों ने जिला हस्पताल से एम्स ऋषिकेश के लिए बच्चे को रैफर किया है। फिलहाल गणेश का उपचार एम्स ऋषिकेश में चल रहा है। वहीं ग्रामीणों ने गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की मांग की है। रेंज अधिकारी हर्ष राम उनियाल ने बताया की मामले का संज्ञान लिया गया है। बीती रात सोमवार को ही वन विभाग की एक टीम को अस्पताल मौके पर भेजा गया था। टीम को रात्रि गश्त के लिए भेजा गया। साथ ही घटना स्थल पर 3 ट्रैप कैमरों को लगाने की कार्यवाही की जा रही है। ग्रामीणों को गुलदार से बचाव के तरीके बताते हुए सचेत करने की हिदायत दी गई है।

बाजियाल गांव में राजेंद्र सिंह निर्वरोध प्रधान चुने गए

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक की पट्टी ग्यारह गांव के बाजियाल गांव के ग्रामीणों ने राजेंद्र सिंह राणा को निर्विरोध प्रधान घोषित किया है। उत्तराखंड में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की घोषणा होने के बाद बाजियाल गांव के ग्रामीणों ने बैठक कर राजेंद्र सिंह राणा को निर्विरोध प्रधान चुनकर एकता और आपसी सद्भाव का परिचय दिया। ग्रामीण जितेंद्र राणा ने बताया कि चुनाव से गांव के लोगों में आपसी प्रतिस्पर्धा एवं मतभेद पैदा हो जाता है। इसलिए ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से निर्णय लेकर राजेंद्र सिंह राणा को प्रधान पद पर निर्विरोध निर्वाचित किया है। ग्रामीणों की इस पहल का लोगों ने स्वागत कर बधाई दी।

डॉ. नैथानी के सम्मान पर अधिवक्ताओं ने जताई खुशी

श्रीनगर गढ़वाल। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भाजपा मंडल श्रीनगर की ओर से नगर निगम श्रीनगर के स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर डॉ. बीपी नैथानी सहित अन्य वरिष्ठ जनों को सम्मानित करने पर अधिवक्ताओं ने खुशी जाहिर की। बार काउंसिल ऑफ उत्तराखंड के सदस्य अर्जुन सिंह गुसाईं ने कहा कि स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर डॉ. बीपी नैथानी विगत 10 से अधिक समय से श्रीनगर, पौड़ी, रुद्रप्रयाग सहित अन्य स्थानों पर अपनी टीम के साथ स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करने का कार्य कर रहे हैं।

चोक हुई सीवर लाइन, सड़क पर जमी गंदगी

स्टेशन रोड में सीवर लाइन चोक होने से बढ़ी समस्या

जयन्त प्रतिनिधि।

शहर में सीवर लाइन चोक होने की समस्या खत्म होने का नाम नहीं ले रही। मंगलवार को स्टेशन रोड में सीवर लाइन चोक हो गई। जिससे सड़क पर जगह-जगह गंदा पानी जमा हो गया। जिससे वाहन चालकों के साथ ही पैदल चलने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं, सड़क पर सीवर लाइन चोक होने से सड़क पर जाम की स्थिति भी बनी रही।

गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में दशकों पूर्व सीवर लाइन बिछाई गई थी। उस समय शहर की जनसंख्या कम थी। लेकिन, वर्तमान में जनसंख्या के हिसाब से यह सीवर लाइन धोखा देने लगी है। मंगलवार को स्टेशन रोड में अचानक सीवर लाइन चोक हो गई और गंदा पानी सड़क पर बहने लगा। ऐसे में स्टेशन रोड से आवागन करने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। दुर्गंध के कारण राहगीर नाक पर रूमाल लगाकर आवागमन कर रहे थे। वाहनों के टायर से उठने वाले छींटे राहगीरों के ऊपर गिर रहे थे। शहरवासी राजेंद्र सिंह, मोहन कुमार, अखिल सिंह ने बताया कि जनसंख्या बढ़ने के साथ सीवर लाइन में भी विस्तार होना चाहिए था। वर्षाकाल में शहर में सीवर लाइन चोक होने की समस्या सबसे अधिक रहती है। हालांकि सूचना के बाद संबंधित विभाग के कर्मचारी चोक सीवर लाइन को खोलने के लिए पहुंच गए थे। लेकिन, उन्हें भी लाइन खोलने के लिए घंटों मशक्कत करनी पड़ी।

कोटद्वार के स्टेशन रोड में सीवर लाइन चोक होने से सड़क पर बहता गंदा पानी

दहेज उत्पीड़न में पुलिस ने पति को किया गिरफ्तार

जनवरी को विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई थी मौत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः रिखणीखाल पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के मामले में ग्राम जेठा पाणीसैण निवासी एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। व्यक्ति की पत्नी की जनवरी माह में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। व्यक्ति भारतीय सेना में कार्यरत है और अवकाश पर अपने घर आया हुआ था। इसी दौरान पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया।

पुलिस ने बताया कि मामले में जनवरी माह में मृतिका के भाई रिखणीखाल ढौंटियाल ग्राम सिलवाड़ निवासी मोहित कुमार भदोला की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई थी। जिसमें उसने बताया था कि एक वर्ष पूर्व उन्होंने अपनी बहन विनीता का विवाह रिखणीखाल ग्राम जेठा पानीसैण निवासी पंकज से किया था।

लेकिन, विवाह के चंद माह बाद ही विनीता का पति व अन्य परिवार के लोग उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। बताया कि 14 दिसंबर को पंकज विनीता को लेकर गांव से कोटद्वार किराए के कमरे में आ गया था। इस दौरान जब भी विनीता अपने ससुराल जाती तो पंकज व उसके परिवार के लोग उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करते। यही नहीं पंकज के परिवार ने उनसे तीना लाख रुपये की डिमांड भी की। लेकिन, परिवार की आर्थिकी ठीक नहीं होने के कारण वह बहन के ससुराल की इस डिमांड को पूरा नहीं कर पाए। बताया कि दो जनवरी को पंकज और उसकी मां दर्शनी देवी, भाई और भाभी ने दहेज की मांग को लेकर विनीता को काफी प्रताड़ति किया। साथ ही विनीता के साथ मारपीट भी की गई। बताया कि चार जनवरी को सुबह उनकी बड़ी बहन अनीता को विनीता के ससुराल वालों ने फोन पर सूचना दी कि विनीता ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया है। उन्हें पूरा यकीन है कि उनकी बहन को जबरन जहरीला पदार्थ खिलाया गया। रिखणीखाल कोतवाली में तैनात अपर उपनिरीक्षक संजय असवाल ने बताया कि मंगलवार सुबह आरोपित पंकज कुमार को रिखणीखाल मैंदणी तिराहा से गिरफ्तार किया गया।

पंचायत चुनाव की तैयारी, दिया प्रशिक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियों को लेकर मंगलवार को पौड़ी में सेक्टर और जोनल मजिस्ट्रेटों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में 107 सेक्टर और 23 जोनल मजिस्ट्रेटों ने हिस्सा लिया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने कहा कि यदि किसी भी स्तर पर कोई शंका या समस्या उत्पन्न हो, तो उसे तुरंत मास्टर ट्रेनर से स्पष्ट कर लें, ताकि समय रहते समाधान हो सके। उन्होंने आदर्श आचार संहिता का पूर्णतः पालन सुनिश्चित कराने को कहा।साथ ही निर्देश दिए कि मजिस्ट्रेट अपने क्षेत्र में होने वाली हर गतिविधि पर कड़ी निगरानी रखें और किसी भी अप्रिय घटना की सूचना तुरंत उपलब्ध कराएं। चुनाव से जुड़ी सभी प्रक्रिया राज्य निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुरूप ही संचालित होगी। सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रांतर्गत सभी पोलिंग बूथों का निरीक्षण कर लें तथा किसी प्रकार की समस्या होने पर उसे शीघ्र अवगत कराएं। अफसरों को मतदेय स्थलों का रूट चार्ट तैयार कर पेश करने के लिए भी कहा। प्रशिक्षण में नोडल प्रशिक्षण अधिकारी दीपक रावत ने मतदान से पूर्व, मतदान के दिन और मतदान के उपरांत मजिस्ट्रेट की भूमिका, कर्तव्यों और दायित्वों की विस्तार से जानकारी दी। मौके पर उप निर्वाचन अधिकारी एवं सीडीओ गिरीश गुणवंत, अधीक्षण अभियंता जल संस्थान प्रवीण सैनी, संयुक्त मजिस्ट्रेट दीपक रामचंद्र शेट, पीडी डीआरडीए विवेक कुमार उपाध्याय, जिला विकास अधिकारी मनविंदर कौर, एसडीएम यमकेश्वर अनिल चन्याल, कोटद्वार सोहन सैनी, मुख्य शिक्षाधिकारी नागेन्द्र बर्तवाल, अधिशासी अभियंता जल संस्थान अभिषेक मिश्रा आदि मौजूद रहे।

वर्चुअल माध्यम से दी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल और जिला जज एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी के निर्देशन में एक दिवसीय वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सिविल जज (सीनियर डिवीजन) एवं सचिव अकरम अली ने किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम वन विलेज, वन प्रो–बोनो अभियान के तहत कार्यरत प्रो–बोनो अधिकार मित्रों व प्राविधिक स्वयंसेवकों के लिए आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न कानूनी योजनाओं और विधिक सहायता से संबंधित विषयों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान नालसा मादक पदार्थों के दुरूपयोग व अवैध तस्करी की रोकथाम, सुरक्षित दवाएं, सुरक्षित जीवन, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से संरक्षण अधिनियम और उत्तराखंड अपराध से पीड़ति सहायता योजना से संबंधित जानकारी दी गई।साथ ही, प्रो–बोनो प्राविधिक स्वयंसेवकों यह भी बताया गया कि वे विधिक सेवा संस्थाओं के माध्यम से समाज के वंचित, जरूरतमंद एवं कमजोर वर्गों को किस प्रकार निशुल्क विधिक सेवाएं एवं सहायता उपलब्ध करवा सकते हैं। प्रशिक्षण में सहभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विधिक सेवाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर मुख्य विधिक सहायता रक्षा अधिवक्ता कमल प्रसाद बमराड़ा, सहायक विधिक सहायता रक्षा अधिवक्ता विनोद कुमार सहित बड़ी संख्या में प्रो–बोनो अधिकार मित्र व स्वयंसेवक वर्चुअली मौजूद रहे।

बंदरों के आतंक से मिलेगी निजात, पकड़ने के लिए लगाए पिंजरे

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में रहने वाले लोगों को बंदरों के आतंक से निजात दिलवाने के लिए वन विभाग व नगर निगम ने कवायद शुरु कर दी है। वन विभाग व नगर निगम ने जगह-जगह पिंजरे लगाकर बंदरों को कैद कर उन्हें दूर जंगल में छोड़ा।

गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में लगातार बंदरों का आतंक बढ़ता जा रहा था। आए दिन बेस अस्पताल में बंदर के हमलों में घायल होग भी पहुंच रहे थे। बंदरों के आतंक से वार्डवासियों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल होता जा रहा था।

बंदरों के आतंक से परेशान कुछ माह पूर्व दुर्गापुरी वासियों ने तहसील परिसर में प्रदर्शन भी किया था। वार्डवासियों का कहना था कि बंदर उनके खेतों में लगे फल व सब्जी को नुकसान पहुंचा रहे हैं। कई बार बंदर सड़क पर ही उत्पात मचाने लगते थे। जिससे दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता था। ऐसे में नगर निगम व लैंसडौन वन प्रभाग ने बंदरों को पकड़ने के लिए संयुक्त अभियान चलाने का निर्णय लिया। प्रथम चरण में रमेश नगर में पिंजरे लगाकर बंदरों को पकड़ने का अभियान चलाया गया। महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने बताया कि आमजन को बंदरों से निजात दिलवाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। बंदरों को पकड़कर दूर जंगल में छोड़ा जा रहा है। जिससे वह दोबारा आबादी में प्रवेश न कर सकें।

कोटद्वार के रमेश नगर में बंदरों को पकड़ने के लिए पिंजरा लगते नगर निगम व वन कर्मीचारी

सक्षम ने दिव्यांगों की सेवा का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः सक्षम दिव्यांग सेवा केंद्र का स्थापना दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान सदस्यों ने दिव्यांगों की सेवा का संकल्प लिया। कहा कि प्रत्येक दिव्यांग को बेहतर सुविधाएं व सरकारी योजनाओं का लाभ मिलें इसके लिए गंभीरता से कार्य किया जाएगा। पदमपुर स्थित घराट रोड में सक्षम का स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला संरक्षक गिरिराज सिंह रावत ने मां भारती सूरदास व अष्ठा वक्र चित्र के समक्ष पुष्पाजंलि अर्पित कर की। सर्वप्रथम सक्षम से जुड़े लोगों ने संगठन का सूक्तम प्रस्तुत किया। जिला संरक्षक गिरिराज सिंह रावत ने कहा कि मनुष्य को अपने जीवन में समाज हित के कायो को भी प्राथमिकता देनी चाहिए, कहा कि सक्षम से जुड़कर दिव्यांगजनों की समस्याओं का समाधान हो सकेगा। उन्होंने सक्षम के कायो की भी सराहना की है। कहा कि सक्षम हमेशा से जनहित के कायो को प्राथमिकता देता है। इस मौके पर दिव्यांग जनों की समस्याओं को लेकर भी विचर विमर्श किया गया, साथ ही निर्णय लिया गया कि एक प्रतिनिधिमंडल शीघ्र ही समस्याओं को लेकर समाज कल्याण अधिकारी से भेंट करेगा। इस मौके पर विपुल उनियाल, मंगत राम अग्रवाल, रूप सिंह, श्रीकांत गौड़, साधना रतूड़ी, मंजू देवी, परिणिता कंडवाल, कुसुम कुकरेती, देवांश डोबरियाल, कपिल रतूड़ी मौजूद रहे।

कोटद्वार में सक्षम की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मौजूद सदस्य

क्यारदा के ग्रामीणों की चुनाव बहिष्कार की चेतावनी

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक की ग्राम पंचायत कोठी नैलचामी के राजस्व ग्राम क्यारदा के ग्रामीणों ने आगामी पंचायत चुनाव का बहिष्कार करने की चेतावनी दी है। ग्रामीणों का कहना है कि उत्तराखंड राज्य निर्माण के 24 वर्ष बाद भी ग्रामीण सड़क के लिए तरस रहे हैं, लेकिन अभी तक गांव के लिए सड़क की स्वीकृति नहीं मिल पाई है। ग्रामीण विधान कंडारी ने कहा कि ग्रामीण लगातार जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने बताया की क्यारदा के ग्रामीण बड़ी मात्रा में सब्जियों, मोटी इलायची और फलों का उत्पादन करते हैं। लेकिन सड़क सुविधा के अभाव में वे उत्पादित सब्जियों को बाजार तक नहीं पहुंचा पाते हैं। जिस कारण अधिकांश सामग्री खराब हो जाती है। सरकार को आईना दिखाते हुए गांव के युवकों ने कोरोनाकाल में खुद ही सड़क बनाने का काम किया,

शोभा देवी को दूसरी बार निर्विरोध प्रधान चुना गया

नई टिहरी। पारस्परिक एकता और भाईचारा की परंपरा कायम रखते राडागाड ग्राम पंचायत ने दूसरी बार प्रधान का चुनाव निर्विरोध किया। देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र के तीन गांवों की इस ग्राम पंचायत में ग्वाड़ गांव की शोभा देवी नेगी को प्रधान और टोला गांव की राजेश्वरी देवी बर्त्वाल को उपप्रधान चुन लिया है। इसी प्रकार सात वार्ड सदस्यों का भी सर्वसम्मति से चुनाव किया गया है। विकासखंड की डागर पट्टी की राडागाड ग्राम पंचायत के लोगों ने वर्ष 2013 में सड़क पहुंचाने के लिए आंदोलन किया था। टोला ग्वाड़ राडागाड विकास मंच के बैनर तले हुए इस आंदोलन की सफलता के बाद राडागाड, ग्वाड़ और टोला के महिला–पुरुषों ने बैठक आयोजित कर मंजू देवी बर्त्वाल को निर्विरोध प्रधान चुना था। ग्रामीणों ने निर्णय लिया था कि भविष्य में इस परंपरा का निर्वाह किया जाएगा। प्रत्येक पंचवर्षीय योजना में प्रधान के निर्विरोध चुनाव के लिए तीनों गांवों में से एक–एक गांव का क्रम आएगा। वहीं क्षेत्र पंचायत व जिला पंचायत सदस्य के लिए भी तीनों गांवों की आपसी सहमति पर एक ही प्रत्याशी को ही वोट डाले जाएंगे। पहली बार राडागाड गांव की मंजू देवी प्रधान बनीं। इस बार ग्रामीणों ने ग्वाड़ गांव की शोभा देवी नेगी को निर्विरोध प्रधान चुना और टोला गांव की राजेश्वरी देवी को उपप्रधान चुना। प्रताप सिंह बर्त्वाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कहा गया कि ये तीनों गांव अत्यंत पिछड़े हुए हैं, विकास हमारी प्राथमिकता है। पंचायत चुनाव गांव के भाईचारे व आपसी एकता में दरार पैदा करते हैं।

मीट विक्रेता पशु वधशाला में ही काटे मांस

श्रीनगर गढ़वाल। नगर निगम श्रीनगर की मेयर आरती भंडारी ने मंगलवार को पशु वधशाला संचालक और मीट विक्रेताओं के साथ बैठक की। जिसमें मेयर ने विक्रेताओं को मीट की स्लाटिंग पशुवधशाला में किये जाने के निर्देश दिये। साथ ही स्पष्ट किया कि यदि विक्रेता अपनी–अपनी दुकानों में मांस की स्लाटिंग करते हुए पाए गए तो कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान मीट विक्रेताओं ने नाराजगी जताते हुए कहा कि नगर निगम द्वारा पशु वधशाला को बीते 17 जून को खोला गया है, जबकि वहां किसी भी प्रकार की व्यवस्था नहीं बनाई गयी है। इसके अलावा नगर निगम प्रति (चिकन और मटन) के अनुसार कर बढ़ाने की बात कर रहा है जो कि उनके हित के बाहर है। मीट विक्रेता मुकेश, दिनेश, मो. सलीम, शाहिद, दानिश, मो. जाहिद आदि ने बताया कि वह 2022 से पशु वधशाला का कर 5000 रुपये प्रतिमाह दे रहे हैं।

बताया कि निगम जहां मांस काटने की अनुमति दे रहा है, वहां न तो मुर्गों को रखने के लिए जाला है, न ही पानी और अन्य उचित व्यवस्था बनाई गई है। बताया कि पूर्व में निगम की पशु वधशाला संचालक द्वारा प्रति चिकन पर 8 रुपये लिये जाते रहे हैं, जिसे अब बढ़ाकर 25 रुपया और मटन पर 120 रुपये से बढ़ाकर 250 रुपये कर वसूलने की बात की जा रही है, जिससे विक्रेताओं में नाराजगी है। बताया कि इससे उन्हें आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।

तुंगनाथ मंदिर के सौन्दर्यीकरण को धनराशि मिलने पर जताया आभार

रुद्रप्रयाग। आदिगुरु शंकराचार्य द्वारा निर्मित ऐतिहासिक तुंगनाथ मंदिर और अष्ट बाराही नारी मंदिर को पर्यटन सर्किट से जोड़ने की दिशा में सरकार ने बड़ा कमद उठाया है। पर्यटन विभाग ने इन मंदिरों में विकास कार्यों के लिए 99.04 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। गढ़वाल मंडल विकास निगम ने कार्यकारी संस्था के रूप में निर्माण कार्यों के लिए टेंडर प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी सतेंद्र बर्त्वाल ने बताया कि इस धनराशि का उपयोग मंदिर के सौंदर्यीकरण, रुद्रप्रयाग–पोखरी और तिलवाड़ा–सतेराखाल मोटर मार्गों पर स्वागत द्वार के निर्माण, मंदिर परिसर में दो यात्री निवास कक्ष, शौचालय निर्माण, चार पौराणिक जल स्रोतों (पंदेरा) के सौंदर्यीकरण, प्राचीन पैदल मार्ग के विकास, विद्युतीकरण और अन्य संबंधित कार्यों के लिए किया जाएगा।

पदोन्नति में आरक्षण व छात्रवृत्ति योजना में सुधार की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति शिक्षक एसोसिएशन ने पदोन्नति में आरक्षण, छात्रवृत्ति योजना में सुधार सहित विभिन्न मांगों के निराकरण की मांग की है। कहा कि एसोसिएशन लगातार समस्याओं के निराकरण की मांग उठा रहा है।

समस्या के संबंध में एसोसिएशन ने राज्य सभा सांसद कल्पना सैनी को ज्ञापन प्रेषित किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष जगदीश राठी ने कहा कि 117वें संविधान संशोधन में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति को पदोन्नति में आरक्षण का संवैधानिक अधिकार दिया गया है। वर्ष 2012 में 117वां संविधान संशोधन विधेयक एससी, एसटी के सरकारी कर्मचारियों को पदोन्नति में आरक्षण सुनिश्चित करने के अद्देश्य से लाया गया था, जो राज्यसभा में पारित हो गया था, लेकिन लोकसभा में पारित नहीं हो पाया था। कहा कि उत्तराखंड में उच्च पदों की संख्या बहुत ही कम है, जिसके कारण अनुसूचित जाति, व अनुसूचित जनजाति समाज का प्रतिनिधित्व लगभग शून्य हो गया है। उन्होंने विधेयक को लोकसभा में पारित करवाने की मांग की है। इसके अलावा छात्रवृत्ति योजनाओं में सुधार करवाने, पोर्टल की तकनीकी समस्या को ठीक करवाना, वंचित वर्ग को उनका हक दिलवाने की मांग की है। इस मौके पर संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

राज्यसभा सांसद को ज्ञापन देते एसोसिएशन के सदस्य

नगर निकायों की लापरवाही पर जिलाधिकारी ने जताई नाराजगी

चमोली। जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में मंगलवार को जनपद चमोली के सभी नगर निकायों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं सैनिटरी लैंडफिल साइट (एसएलएफ) और मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) की स्थिति की समीक्षा की गई। यह समीक्षा जिला गंगा संरक्षण समिति की बैठक के अंतर्गत की गई, जिसमें नदियों में कूड़ा और अपशिष्ट जल के प्रवाह को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने पर विशेष जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने नगर निकायों में एसएलएफ साइट और एमआरएफ साईट की स्थित भूमि की उपलब्धता, कार्यशीलता, कूड़ा संग्रहण, पृथक्करण एवं अंतिम निस्तारण की समीक्षा भी की।

बैठक के दौरान गोपेश्वर नगर निकाय के अधिशाषी अधिकारी द्वारा एसएलएफ एवं कूड़ा प्रबंधन से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रस्तुत नहीं करने पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने इसे घोर लापरवाही मानते हुए संबंधित अधिकारी पर कार्रवाई हेतु सचिव शहरी विकास को संस्तुति भेजने के निर्देश दिए। साथ ही अधिशाषी अधिकारी कर्णप्रयाग से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु हो रहे कार्य के प्रस्ताव को तीन प्रतियों में शीघ्र प्रस्तुत करने के आदेश दिए। उन्होंने समय से प्रस्ताव प्रस्तुत न करने की स्थिति में कड़ी कार्रवाई अमल में लाने की बात कही।उन्होंने गैरसैण के अधिशासी अधिकारी को 1 करोड 90 लाख की डीपीआर दिखाने के निर्देश दिए और उपजिलाधिकारी को गैरसैण के एमआ-रएफ सेंटर का निरीक्षण कर कार्य प्रगति की जाँच करने के आदेश दिए।

उन्होंने कहा कि नगर निकायों द्वारा एसएलएफ एवं एमआरएफ सेंटरों के लिए ली आवंटित राजस्व भूमि का उपयोग निर्धारित उद्देश्य के लिए न किए जाने की स्थिति में संबंधित उपजिलाधिकारियों को तत्काल जांच कर भूमि वापस लेने की कार्रवाई करने के आदेश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी अधिशाषी अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगर क्षेत्रों में ठोस एवं गीले कूड़े का वैज्ञानिक निस्तारण अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/प्रथम द्वारा ई टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आंमत्रित किये जाते है जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेंडर संख्या दिनांक	62-DRM-MB-25-26 20.06.2025	64-DRM-MB-25-26 20.06.2025	80-DRM-MB-25-26 20.06.2025
कार्य का नाम	Miscellaneous bridge work in the section of SSE/W/RK under ADEN/RK.	Heavy repair to roof sheet and wall in new hospital building in the section of SSE/W/HW under ADEN/HW	Construction of Water facilities at ARF Dhandhera Railway station in connection with Additional railway facilities at Dhandhera under ADEN/RK
निविदा का प्रकार	Works	Works	Works
अनुमानित लागत	89,96,736.30	24,99,790.07	1,86,47,905.20
धरोहर राशि	1,79,900.00	50,000.00	2,43,200.00
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	22.07.2025 16:00	22.07.2025 16:00	22.07.2025 16:00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	08.07.2025	08.07.2025	08.07.2025
आफर की वैधता	60 दिन	60 दिन	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 माह	06 माह	06 माह

नं. 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 24.06.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1893/25

संक्षिप्त समाचार

कैडर सचिवों को राज्य कर्मियों की तरह पेंशन सुविधा दी जाए: लक्ष्मण सिंह रावत

देहरादून। सेवानिवृत्त पैक्स कैडर सचिव कल्याण परिषद ने पेंशन भुगतान को लेकर दबाव तेज कर दिया है। परिषद की बैठक में शासन की भूमिका पर सवाल उठाए गए। बैठक में जल्द पेंशन की व्यवस्था न होने पर चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी दी गई। अजबपुर में हुई बैठक में परिषद अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह रावत ने कहा कि कैडर सचिवों को राज्य कर्मियों की तरह पेंशन सुविधा दी जाए। कैडर सचिवों को 35 वर्ष की नौकरी के बाद भी पेंशन की सुविधा नहीं दी जा रही है। दूसरी ओर राज्य में सरकारी से लेकर निगमों तक में कर्मचारियों को पेंशन की सुविधा मिल रही है।पेंशन न मिलने से कैडर सचिवों को कई प्रकार की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बैठक में तय हुआ कि मांगों का निस्तारण न होने पर चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा। पहले चरण में सहकारिता मंत्री को ज्ञापन सौंप दबाव बनाया जाएगा। दूसरे चरण में मुख्य सचिव से मांग की जाएगी। इसके बाद प्रदेश स्तर पर आंदोलन शुरू कर दिया जाएगा। बैठक में सूरत सिंह नेगी, प्यारेलाल कुकरेती, भरत सिंह, सतीश कुमार, ऋषिपाल, नरेश कुमार, उत्तम प्रसाद, विनोद प्रसाद, कृपाल सिंह, सुशील डिमरी, जगदीश सिंह, रविंद्र रावत, रघुवीर सिंह, लेखराम ठाकुर आदि मौजूद रहे।

नंदा–सुनंदा योजना के तहत बालिकों को बांटे चेक

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने मंगलवार को कलक्ट्रेट में आयोजित कार्यक्रम में नंदा सुनंदा योजना के अंतर्गत 05 बालिकाओं को 165800 रुपये के चैक वितरित किए। जिले में अभी तक योजना के तहत 14 लाख रुपये से 38 बालिकाओं की शिक्षा को दोबारा शुरू किया गया है। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि बालिकाएं अपनी पढ़ाई को जारी रखें इसके लिए प्रशासन हर संभव प्रयास कर रहा है। उन्होंने बालिकों से पढ़ाई में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अलग–अलग श्रोतों से धनराशि जुटाकर निर्धन बालिकाओं की शिक्षा को पुनर्जीवित किया जा रहा है। ताकि बालिकाएं शिक्षा से जुड़कर आत्मनिर्भर हो सकें। बेटी को सशक्त बनाने का नंदा सुनंदा एक ग्लोबल प्रयास है। प्रोजेक्ट नंदा सुनंदा किन्ही कारणों से शिक्षा छोड़ चुकी बालिकों के के सुरक्षित भविष्य की नीव रखेगा। जिलाधिकारी ने गौरांशी सिंघल को 35000 रुपये, अनुष्का क्षेत्री को 7800, वैष्णवी को 33000, तनु शर्मा को 60000, शताक्षी शर्मा को 30000 का चैक वितरित किया। मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, उप जिलाधिकारी कुमकुम जोशी, जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास जितेंद्र कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी मीना बिष्ट आदि मौजूद थे।

सड़क पर फलदार पौधे रोपकर जताया विरोध

देहरादून। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की पाइपलाइन बिछाने के लिए वार्ड नकरौंदा, बालावाला, कुआंवाला, सैनिक कॉलोनी में जगह जगह पर सड़कों को खोदकर पाइपलाइन और चैंबर बनाए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने इसके बाद मरम्मत कार्य नहीं होने को लेकर नाराजगी जताई है। उन्होंने सड़क पर फलदार पौधे रोपकर अपना आक्रोश प्रकट किया। लोगों ने कहा कि उन्होंने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के प्रोजेक्ट मैनेजर को समस्या के बारे में जानकारी देने के लिए फोन किया था। लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिला। विरोध स्वरूप लोगों ने सड़क पर खुदाई वाली जगहों पर पौधरोपण किया।

राजस्व पुलिस के कार्यों को तत्काल वापस ले सरकार

देहरादून। पर्वतीय राजस्व निरीक्षक, राजस्व उपनिरीक्षक एवं राजस्व सेवक संघ ने राजस्व पुलिस कार्यों को सिविल पुलिस को देने की मांग दोहराई। हाईकोर्ट के सिविल पुलिस को काम सौंपने के आदेशों का सख्ती से पालन कराने की मांग की गई। संघ अध्यक्ष विजयपाल सिंह मेहता ने कहा कि हाईकोर्ट साफ कर चुका है कि पर्वतीय क्षेत्रों में राजस्व पुलिस के काम पटवारियों से न कराए जाएं। इन आदेशों को लागू करने की बजाय लगातार आदेश लटकाए जा रहे हैं। पटवारियों से राजस्व पुलिस का काम वापस नहीं लिया जा रहा है। शासन स्तर से बार बार सिर्फ कोरे आश्वासन दिए जा रहे हैं। इसके बाद भी इस व्यवस्था को सुनिश्चित नहीं कराया जा रहा है। ऐसे में आंदोलन ही एकमात्र विकल्प शेष बचता है। महामंत्री महिपाल पुंडीर ने कहा कि शासन स्तर से पटवारियों को संसाधन उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं। बिना मोबाइल, टैब, डाटा पैक के प्रधानमंत्री किसान योजना के तहत फार्मर रजिस्टर तैयार कराए जा रहे हैं।

विकसित भारत की नींव है मोदी सरकार के 11 वर्ष: प्रेमचंद

ऋषिकेश। पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने लोगों को मोदी सरकार के 11 साल के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने इन 11 सालों को विकसित भारत की नींव के लिए स्वर्णिम बताया। मंगलवार को बैराज रोड स्थित कैंप कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 11 साल आत्मनिर्भर और विकसित भारत की नींव के स्वर्णिम युग के रूप में देखे जा रहे हैं। पीएम मोदी ने वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति को मजबूत किया है और भारत को एक पहचान दी है। कहा कि कांग्रेस के 65 साल के शासन और अस्थिर सरकारों में आम लोगों का विश्वास उठ गया था और वैश्विक स्तर पर भारत की छवि को नुकसान पहुंचा था। पीएम मोदी ने पिछले 11 वर्षों में इसे बहाल किया है। जिस ब्रिटेन ने भारत पर दो सौ सालों तक राज किया, उस ब्रिटेन को पीएम मोदी ने देश की आज़ादी के 75 साल के अमृत महोत्सव पर पछाड़ दिया। भारत का निर्यात कई गुना बढ़ा है। साल 2027 में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। देश में 3.80 लाख किमी ग्रामीण सड़कों का निर्माण 11 सालों में हुआ है। आज हम हर दिन कई किलोमीटर के हाईवे का निर्माण कर रहे हैं। कहा कि नमो भारत, अमृत भारत, वंदे भारत से लेकर मेट्रो तक का बड़ा काम हुआ। किसानों के लिए सरकार ने बीज, खाद, सिंचाई, बीमा से लेकर हर मुद्दे पर काम किया है, उनकी आमदनी को कई गुना बढ़ाने का काम हुआ है। मौके पर मंडल अध्यक्ष मनोज ध्यानी, सुरेंद्र कुमार, महामंत्री दीपक बिष्ट, नितिन सक्सेना, निखिल बड़थ्वाल, अनीता प्रधान, सुमन रावत, सीमा रानी, विपिन पंत, पवन गोयल, ज्योति पांडे, पिंकी धस्माना, रिंकी राणा, निवेदिता सरकार, गुड्डी कलूड़ा, ममता ममगाई, अविनाश भारद्वाज, राजेंद्र बिजल्वाण आदि उपस्थित रहे।

पोखरी रौता मोटर मार्ग भाटा के समीप अवरुद्ध

चमोली। चमोली जनपद के पोखरी रौता मोटर मार्ग पर बारिश के बाद भाटा के समीप अवरुद्ध हो गया है। लोक निर्माण विभाग की जेसीबी मशीन मलबा साफ करने में जुटी हुई है। पोखरी क्षेत्र में सोमवार रात की भारी बारिश के बाद पोखरी रौता सड़क पर पहाड़ी से बड़े– बड़े बोल्डरों, पत्थरों और भारी मात्रा में मलबा आने से अवरुद्ध हो गया है, जिस कारण रौता, सिराऊ सिमलासू, सेरा मालकोटी, कुमेणी डांग,मजयाडी और कुरियाल खर्क ग्राम सभाओं का तहसील मुख्यालय पोखरी से सम्पर्क कट गया है। इन ग्राम सभाओं के ग्रामीणों को दैनिक उपभोग की वस्तुओं की खरीददारी करने के लिए पोखरी बाजार पहुंचने और तहसील सम्बंधित कार्यो के लिए तहसील मुख्यालय पोखरी पहुंचने के लिए लंबा सफर तय करना पड़ रहा है, जिससे ग्रामीणों को आवाजाही करने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है । रौता के निवर्तमान प्रधान बीरेंद्र सिंह राणा, कुंवर सिंह चौधरी,ओम प्रकाश चौधरी, सेरा मालकोटी के निवर्तमान प्रधान भरत नेगी ने लोक निर्माण से मांग की है कि जेसीबी मशीन भेजकर तत्काल पोखरी रौता सड़क को यातायात के लिए खोला जाए। लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता मोहम्मद तसदीक ने बताया कि जेसीबी मशीन को मलबा साफ करने के लिए भेजा गया है। पहाड़ी से बोल्डरों और भारी मात्रा में मलबा आने से भाटा के समीप सड़क अवरुद्ध हो गई है ।

बिजेंद्र बने थौलधार ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष

नई टिहरी। जनपद के रामगढ़ में आयोजित कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक में बिजेंद्र रावत को थौलधार ब्लॉक कांग्रेस का अध्यक्ष बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं ने उनका अभिनंदन कर खुशी जाहिर की। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा एवं प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी का आभार भी व्यक्त किया। इस अवसर पर मौजूद प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी ने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि एकजुट होकर कांग्रेस को मजबूत बनाएं। पंचायत चुनाव आ गए हैं। इसके लिए बढ़चढ़ कर अपनी भागीदारी तय करना सुनिश्चित करें। पंचायतें हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। कांग्रेस ने आजादी के बाद ग्रामीण विकास को विकास का मुख्य आधार बनाया और पंचायतों को मजबूती दी। मनरेगा योजना को लागू कर रोजगार गारंटी दी। जिससे गांव में रह रहे प्रत्येक ग्रामवासी का जीवनयापन हो सके। कहा कि भाजपा शासनकाल में विकास कार्य अवरुद्ध हैं। कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि कांग्रेस की नीतियों और कार्यों को घर–घर तक पहुंचाएं। भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों को लेकर संघर्ष करें। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस के नव नियुक्त अध्यक्ष बिजेंद्र रावत ने कहा कि मुझे जो जिम्मेदारी मिली है, उसके लिए विधायक विक्रम सिंह नेगी एवं शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करता हूं। मेरी प्राथमिकता संगठन को ग्राम स्तर पर मजबूत करना होगा। बैठक में पीसीसी सदस्य नरेंद्र राणा, प्रताप सिंह रावत, दिनेश कृषाली, बुद्धि सिंह राव,नरेंद्र सिंह रावत, अनिल राणा, बलवीर कोली, ओम भट्ट, महिला कांग्रेस अध्यक्ष बिसला देवी, गुड्डी देवी, बचनी देवी, विनीता देवी, संतोषी देवी, रीना देवी आदि मौजूद रहे।

दुग्ध समितियों में कराए जा रहे चुनावों पर मुख्यमंत्री, दुग्ध विकास मंत्री को भेजा पत्र

अल्मोड़ा। दुग्ध विकास संगठन के अध्यक्ष आनन्द सिंह बिष्ट ने दुग्ध समितियों में कराए जा रहे चुनावों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री, दुग्ध विकास मंत्री को पत्र लिखते हुए कहा है कि बार बार हो रहे चुनावों, पदों के लिए अधिक शुल्क लिए जाने के विरोध में लगभग एक तिहाई समितियों में नामांकन प्रक्रिया ही नहीं हो पाई। पत्र में अध्यक्ष बिष्ट ने कहा है कि सरकार द्वारा समितियों में चुनाव में भाग लेने हेतु 180 दिन दूध देने तथा 300 लीटर प्रतिवर्ष दूध समिति में देने जैसे नियम बनाए हैं वे पर्वतीय क्षेत्र के अनुकूल नहीं हैं। विषम भौगोलिक स्थिति के चलते पर्वतीय क्षेत्र में किसान प्रायः एक ही दुधारू पशु पालने की क्षमता रखते हैं इसलिए वे प्रतिवर्ष निर्धारित मानकों को पूरा नहीं कर सकते। पत्र में उन्होंने कहा है कि जिन समितियों में जैसे–तैसे चुनाव संपन्न भी करा लिए गए हैं इन नियमों के चलते उनमें अगले वर्ष फिर चुनाव कराने की स्थिति पैदा हो सकती है।

समिति की प्रबंध कमेटी हेतु 500 रूपये अध्यक्ष हेतु 1000 रूपये आवेदन शुल्क को गरीब दुग्ध उत्पादकों के लिए अधिक बताते हुए आवेदन शुल्क 100 रूपये किये जाने की मांग की गई है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि दुग्ध सहकारिता के कुछ नियम पहाड़ के अनुकूल नहीं हैं इसलिए दुग्ध समितियों को अस्थिरता का शिकार होने से बचाने के लिए उन्हें बदलने की आवश्यकता है।

वाटर हार्वेस्टिंग नहीं तो कटेगा पेयजल कनेक्शन

हल्द्वानी। सौ से ज्यादा होटल, रिजॉर्ट और बारातघरों में वाटर हार्वेस्टिंग का प्रबंध नहीं होने पर जल संस्थान ने भेजे नोटिस – लगातार कम हो रहे जलस्त्रोत और पेयजल की बढ़ रही मांग को पूरा करने के लिए जरूरी की वाटर हार्वेस्टिंग हल्द्वानी(आरएनएस)। वाटर हार्वेस्टिंग का प्रबंध नहीं करने वाले व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के पेयजल कनेक्शन काटे जाएंगे।

जल संस्थान ने जिले में इसकी जांच कर सौ से ज्यादा होटल, रिजॉर्ट और बारातघरों को नोटिस जारी कर दिए हैं। लगातार कम हो रहे जलस्त्रोत और पेयजल की बढ़ती मांग के समाधान के लिए विभाग ने यह कार्रवाई शुरू की है। नैनीताल जिले में पेयजल की मांग बढ़ने के साथ ही जल स्त्रोतों की संख्या लगातार कम हो रही है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए निकली गौमुख कलश यात्रा

ऋषिकेश। श्री रामायण प्रचार समिति संस्कार योगशाला की ओर से छह दिवसीय गंगा स्वच्छता गोमुख संकल्प यात्रा का शुभारंभ हुआ। यात्रा के माध्यम से लोगों को पर्यावरण और गंगा संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाएगा। मंगलवार को श्री भारत मंदिर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में श्रीभरत मंदिर के महंत पीठाधीश्वर महंत वत्सल प्रपन्नाचार्य महाराज ने पूजा–अर्चना करने के बाद केसरिया झंडी दिखा पर्यावरण संरक्षण संवर्धन जन चेतना अभियान गंगा स्वच्छता गोमुख संकल्प यात्रा को गंगोत्री के लिए रवाना किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए यह यात्रा प्रत्येक वर्ष निकाली जाती है, जो सराहनीय है। इस प्रकार जन चेतना अभियान द्वारा मां गंगा के पावन जल की महत्ता को लोगों को बताया जाएगा। उन्होंने गंगा की दिव्यता पवित्रता एवं अमृता का वर्णन किया। गंगा स्वच्छता गोमुख संकल्प यात्रा के महंत रवि प्रपन्नाचार्य महाराज ने बताया कि यह यात्रा उत्तरकाशी, गंगोत्री, गोमुख, तपोवन से होती हुई पुनः वापसी करेगी। इस छह दिवसीय यात्रा के दौरान बीच में आने वाले पड़ाव में पूजा–अर्चना के साथ पौधरोपण भी किया जाएगा। जगह–जगह नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक भी किया जाएगा।

बंद सड़कें खोलने में देरी न करें अधिकारी: डीएम

बागेश्वर। वर्षाकाल के दौरान भूस्खलन और मार्ग अवरुद्ध होने की चुनौतियों से निपटने के लिए जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने सड़क महकमों के अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें उन्होंने त्वरित कार्रवाई और जनसुविधा सुनिश्चित करने के लिए कड़े निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा बताया गया कि जनपद में 49 जेसीबी मशीनें तैयार रखी गई हैं, जो मार्ग अवरुद्ध होने की स्थिति में तत्काल मौके पर पहुँचकर उन्हें सुचारु करेंगी। जिलाधिकारी भटगांई ने स्पष्ट किया कि मोटर मार्गो को सुचारु करने में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। मानसून अवधि के दृष्टिगत जेसीबी मशीनों की तैनाती की सुदृढ़ विभागीय कार्ययोजना होनी चाहिए। जिससे आम जनता को किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े। विभागों के पास प्रत्येक मशीन में जीपीएस अधिष्ठापन की स्थिति के लिए प्लानिंग भी होनी चाहिए। प्रत्येक विभाग के पास जेसीबी मशीनों के डिप्लॉयमेंट प्लान होना चाहिए। भूस्खलन से उत्पन्न होने वाली किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए उन्होंने सड़क महकमों को प्रभावित स्थलों पर न्यूनतम समय के भीतर अनिवार्य रूप से जेसीबी मशीनें पहुंचाने और सड़क अवरुद्ध होने की स्थिति में उसे शीघ्र खोलने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट चेतावनी दी कि लोगों को सुगम यातायात उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी सड़क मार्ग के अवरुद्ध होने पर उसे कम से कम समय में नहीं खोला जाता है, और किसी भी प्रकार की लापरवाही परिलक्षित होती है, तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जौनसार के आशीष रावत गाड़ें सफलता के झंडे

विकासनगर। जौनसार–बावर के ग्रामीण अंचल से निकलकर देश की प्रतिष्ठित टेक कंपनी सैमसंग में 25 लाख रुपये के सालाना पैकेज पर चयनित होकर आशीष रावत ने क्षेत्र का नाम रोशन किया है। मूलरूप से ग्राम बुरास्वा, खत बनगांव निवासी विरेंद्र सिंह रावत के सुपुत्र हैं। विरेंद्र रावत सहायक उप निरीक्षक, भारत–तिब्बत सीमा पुलिस बल, राष्ट्रपति पुरस्कार से पुरस्कृत हैं। आशीष की शिक्षा यात्रा संघर्ष और अनुशासन का प्रतीक रही है। प्राथमिक शिक्षा जौनसार पब्लिक स्कूल चकराता, आरएन मेमोरियल स्कूल विकासनगर से हुई। हाईस्कूल और इंटर सेंट मैरी स्कूल विकासनगर से किया। साल 2018 में पहले ही प्रयास में जेईई एडवांस पास कर आईआईटी कानपुर से बीटेक कर साल 2023 में गेट परीक्षा पास कर आईआईटी गांधीनगर से एमटेक किया।

मुख्य बाजार में जर्जर बिजली का पोल बना खतरा

विकासनगर। मुख्य बाजार में जर्जर बिजली का पोल ऊर्जा निगम अधिकारियों की लापरवाही के कारण कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। एक बैंक के सामने एचटी लाइन का पोल जंक खाकर पूरी तरह से जमीन से गल चुका है। पोल से गुजर रही बिजली की तारें अक्सर झूलती रहती हैं। तेज आंधी, बारिश में पोल के गिरने का खतरा हर समय बना रहता है। विकासनगर मुख्य बाजार में एक राष्ट्रीयकृत बैंक के सामने एनएच पर भीड़भाड़ वाली जगह पर लगा बिजली का पोल नीचे से पूरी तरह गल चुका है। जिस जगह पर पोल खड़ा है उसके आसपास दस से अधिक व्यापारिक प्रतिष्ठान भी हैं। जबकि एनएच पर दिनभर वाहनों की आवाजाही रहती है। ऐसे में पोल कभी गिर गया तो बड़ा हादसा हो सकता है। इतना नहीं तेज हवा और बारिश में भी पोल के गिरने का खतरा बना हुआ है। व्यापारी अमित चौधरी, मेवालाल चौधरी, सुनील ग्रोवर, नीटू, विजय कुमार ने बताया कि जर्जर पोल से खतरे की शिकायत कई बार यूपीसीएल के अधिकारियों से की गई, लेकिन समस्या ज्यों की त्यों बनी है। कहा कि पोल के ऊपर से ग्यारह हजार केवी की लाइन गुजर रही है। बरसात और जलभराव होने से खंभा जर्जर होकर गिरने की कगार पर है। कहा कि यूपीसीएल अधिकारियों की यह लापरवाही हादसा होने पर लोगों की जान खतरे में डाल सकती है। उधर, यूपीसीएल के अधिशासी अभियंता अमित सक्सेना ने बताया कि क्षतिग्रस्त पोलों और लाइनों को सही कराया जा रहा है। जिस जगह भी जर्जर पोल और लाइनें हैं उनको सही कराने के लिए कर्मचारियों को लगाया गया है। जल्द ही सभी जर्जर लाइनों और पोलो को बदल दिया जाएगा।

नगर क्षेत्र में नालों के निर्माण कार्यों की जिलाधिकारी ने की समीक्षा

अल्मोड़ा। जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय ने मंगलवार को नगर क्षेत्र में चल रहे नालों के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और निर्देश दिए कि कार्यों में समय सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि आगामी बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए नालों का निर्माण कार्य प्राथमिकता के आधार पर तेजी से कराया जाए, जिससे जलभराव की समस्या से आमजन को राहत मिल सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता में समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि निर्माण स्थलों पर सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए तथा नागरिकों को न्यूनतम असुविधा हो। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। समय पर कार्य पूर्ण न होने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जाहिर करते हुए निर्देश दिए कि संबंधित ठेकेदार पर कार्रवाई की जाए। साथ ही कहा कि अवशेष कार्यों में मैनपावर बढ़ाकर तेजी लाई जाए। उन्होंने नगर क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति के पाइपों के व्यवस्थित न होने पर भी नाराजगी जाहिर की तथा अधिकारियों को चेतावनी दी कि भविष्य में पानी का संयोजन देते हुए यह सुनिश्चित करें कि पाइप व्यवस्थित रूप से रखे जाएं। अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड अल्मोड़ा मोहन सिंह रावत ने बताया कि नगर क्षेत्र में कुल 39 नालों का निर्माण किया जा रहा है। इसमें 11 नालों का कार्य पूर्ण हो चुका है। 11 नालों का कार्य अगले माह के प्रथम सप्ताह में पूर्ण कर लिया जाएगा। 8 नालों में कार्य कई कारणों से प्रारंभ नहीं किया जा सका है। अवशेष नालों में कार्य प्रगति पर है। जिलाधिकारी ने कहा कि जल्द से जल्द कार्यों को पूर्ण किया जाए।

फुटबाल प्रतियोगिता में जोहार क्लब व हॉकी में जीआईसी विजेता

पिथौरागढ़। अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस को लेकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में हॉकी, वालीबॉल, ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। मुनस्यारी में खिलाडियों ने फुटबाल प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इस दौरान विजेता प्रतिभागियों को समापन पर सम्मानित किया गया। अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस को लेकर विभिन्न प्रतियोगिताएं हुई। सद्भावना हॉकी मैच स्पोर्टस स्टेडियम व जीआईसी के मध्य खेला गया, जिसमें जीआईसी ने स्पोर्ट्स स्टेडियम को 5–2 गोल से पराजित किया। वालीबॉल मैच स्पोर्टस स्टेडियम व जाजरदेवल के मध्य खेला गया, जिसमें स्पोर्ट्स स्टेडियम ने जाजरदेवल को 2–1 से पराजित किया। जोहार खेल मैदान मुनस्यारी में जोहार क्लब व मुनस्यारी के बीच खेला गया। जिसमें जोहार क्लब ने मुनस्यारी को 3–1 से पराजित किया। ताइक्वांडो के सब जूनियर बालक वर्ग में दिव्याशु रावत, साकेत विजेता व काव्य, कार्तिक उप विजेता रहे। जूनियर बालक वर्ग में कुनाल सिंह, क्षितिज, दिव्यांशु विजेता व शिवम, राहुल, वंश उप विजेता रहे।

एम्स ऋषिकेश ने सर्जरी कर हटाया व्यक्ति के पैर से 35 किलो का बोन ट्यूमर

ऋषिकेश। एम्स ऋषिकेश ने एक 27 वर्षीय व्यक्ति के पैर से 35 किलो के ट्यूमर को सर्जरी की मदद से हटाने में सफलता हासिल की है। चिकित्सकों का दावा है कि इतने बड़े ट्यूमर की सफल सर्जरी अभी तक अपने देश में पहला रिकॉर्ड है।

सर्जरी के बाद उत्तर प्रदेश के संभल जिले के 27 वर्षीय सलमान के चेहरे पर फिर से मुस्कान लौट आई है। चिकित्सकों के मुताबिक सलमान को बाएं पैर में ट्यूमर का पता छह साल पहले लगा था। समय बढ़ने पर धीरे–धीरे उसे उठने–बैठने में परेशानी होने लगी। तकलीफ बढ़ने पर रोगी ने पहले मुरादाबाद और फिर दिल्ली के कई अस्पतालों के चक्कर काटे। दवाओं के साथ जांचें चलती रहीं, लेकिन मर्ज बढ़ता गया। कद्दू के साइज से बड़ा ट्यूमर होने की वजह से सलमान उठ–बैठ नहीं पा रहा था। किसी ने उसे एम्स ऋषिकेश जाने की सलाह दी। यहां विभिन्न जांचों के बाद ऑर्थोपेडिक्स विभाग के डाक्टरों ने नौ जून को सर्जरी कर ट्यूमर को हटा दिया। इस उपलब्धि के लिए संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह और चिकित्सा अधीक्षक प्रो. बीसत्या श्री ने डॉक्टरों की टीम को बधाई दी है। एम्स के ऑर्थोपेडिक्स विभाग के सर्जन डॉ. मोहित धींगरा ने बताया कि अप्रत्याशित साइज और वजन होने कारण कैंसर ग्रसित ट्यूमर को हटाना बहुत ही मुश्किल था। ट्यूमर के कैंसर में बदलने और साइज बढ़ने की वजह से उस स्थान पर खून का दौरा और रक्त वाहनी में भी बदलाव हो गया था। ऐसे में सर्जरी के दौरान जरा सी लापरवाही रोगी की जान ले सकती थी। इसलिए इन चुनौतियों से निपटने के लिए ऑर्थो के अलावा सीटीवीएस विभाग और प्लास्टिक सर्जरी विभाग के सर्जन को भी टीम में शामिल किया गया। 41 किलो के पैर में 35 किलो का ट्यूमर रोगी के पैर में बने 34 किलो 700 ग्राम के ट्यूमर ने न केवल डाक्टरों को हैरत में डाला अपितु इसका विशाल साईज एमआरआई करने में भी बाधा बन गया।

सेलाकुई से भाऊवाला–डूंगा तक सिटी बस सेवा नहीं होने से लोग परेशान

विकासनगर। सहसपुर ब्लॉक अंतर्गत सेलाकुई से डूंगा तक सीधी बस सेवा नहीं होने से एक दर्जन से अधिक गांवों के लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। ऐसे में छोटे वाहन चालक लोगों से मनमाना किराया वसूल रहे हैं। सबसे ज्यादा परेशानी छात्रों को हो रही है। छात्र–छात्राओं को स्कूल तक जाने के लिए करीब आठ किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ रही है।

लोग लंबे समय से इस मार्ग पर सिटी बस संचालन की मांग करते आ रहे हैं, लेकिन सैकड़ों ग्रामीणों की समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सेलाकुई से डूंगा मार्ग पर बहादरपुर, तेलपुरा, पौड़वाला, राजावाला, भगवानपुर, भरतपुर, भाऊवाला, भानवाला, बेलोवाला, डूंगा सहित एक दर्जन से अधिक गांव पड़ते हैं, जिनमें 10 हजार से अधिक आबादी निवास करती है। इन ग्रामीणों को हर दिन सेलाकुई औद्योगिक क्षेत्र और राजधानी में रोजगार के सिलसिले में जाना पड़ता है। जबकि एसजीआरआर भाऊवाला में आसपास के सात किलोमीटर के दायरे के छात्र–छात्राएं अध्ययन करने आते हैं। सिटी बस सेवा नहीं होने के चलते छात्र–छात्राओं को तो पैदल ही स्कूल तक जाना पड़ता है। अन्य ग्रामीण अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए छोटे वाहन चालकों की मनमानी का शिकार हो रहे हैं। क्षेत्रवासी मनमोहन सिंह, राम नारायण रतूड़ी, आकाश आजाद, प्रमोद कुमार, सावित्री देवी, प्रमिला, शबनम, हरमीत सिंह ने बताया कि परिवहन विभाग से लेकर क्षेत्रीय विधायक तक से कई बार इस मार्ग पर सिटी बस सेवा शुरू कराने की मांग की गई, लेकिन समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उधर, क्षेत्रीय विधायक सहदेव पुंडीर ने बताया कि मार्ग पर सीधी बस सेवा शुरू करने के लिए उचित कार्रवाई की जाएगी।

सहसपुर की छह जिला पंचायत सीटों के लिए भाजपा से 13 आवेदन

विकासनगर। भारतीय जनता पार्टी ने सहसपुर ब्लॉक की छह जिला पंचायत सीटों के लिए मंगलवार को रायशुमारी की। कुल छह सीटों के लिए 13 दावेदारों ने आवेदन किया है, जिनमें से भुड्डी सीट पर एक ही दावेदार का आवेदन आया है। रायशुमारी करने पहुंचे पूर्व विधायक देशराज कर्णवाल ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव मे भाजपा जिताऊ और टिकाऊ उम्मीदवार उतारेगी। बताया कि जिन छह सीटों के लिए 13 लोगों के आवेदन आए हैं, उनमें से पार्टी एक दावेदार को अधिकृत प्रत्याशी बनाएगी, लेकिन उसे पार्टी सिंबल नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बार गांव से लेकर प्रदेश और केंद्र तक भाजपा पर जनता अपना विश्वास जता रही है। लिहाजा पार्टी भी पंचायत चुनाव में ऐसे प्रत्याशी को अपना समर्थन देगी जो जीत दर्ज करने के बाद जनता की भलाई के लिए काम करता रहे। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक अरुण मित्तल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पंचायत चुनावों को भी उतना ही महत्व देती है, जितना लोकसभा, विधानसभा चुनाव को दिया जाता है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर भाजपा की तैयारियां पूरी हैं। उन्होंने बताया कि सहसपुर ब्लॉक की छह जिला पंचायत सीटों में से शेरपुर सीट पर दो, शाहपुर कल्याणपुर दो, भुड्डी एक, खुशहालपुर तीन, शंकरपुर द्वितीय दो और सुद्धोवाला सीट पर तीन आवेदन मिले हैं, जिनमें से प्रत्येक सीट पर एक–एक प्रत्याशी को पार्टी अपना समर्थन देगी। इस दौरान विधायक सहदेव पुंडीर, जिलाध्यक्ष मीता सिंह, मंडल अध्यक्ष सुखदेव फर्सवाण, विनोद थापा, ऋषि पाल सिंह आदि मौजूद रहे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com